सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 15 अंक - 20 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 2 नवंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में 100 साल पूरे कर चुके हैं 2 हजार से ज्यादा मतदाता करेंगे अपने मत का प्रयोग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में मतदान होना है। राज्य में दो चरणों में हो रहे विधानसभा चुनाव 2023 में प्रदेश के 2 करोड़ 3 लाख 93 हजार 160 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। खास बात यह है कि प्रदेश में पुरूष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या अधिक हैं। यही नहीं प्रदेश में 100 साल की उम्र पार चुके मतदाता भी कम नहीं है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 2,457 मतदाता 100 वर्ष की आयु पार कर चुके हैं। यह ऐसे मतदाता है जो पिछले कई दशकों से अपने मत का प्रयोग कर रहे हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरुष तथा महिला मतदाताओं के साथ ही तृतीय लिंग (ट्रांसजेंडर) के 753 मतदाता विधानसभा निर्वाचन 2023 में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। प्रदेश के 90 विधानसभा क्षेत्रों में रायपुर शहर उत्तर में सबसे अधिक 96 तृतीय लिंग के मतदाता हैं। इसी प्रकार रायपुर शहर के चारों विधानसभा क्षेत्रों रायपुर शहर उत्तर, रायपुर शहर पश्चिम, रायपुर शहर दक्षिण और रायपुर ग्रामीण को मिलाकर कुल 275 ट्रांसजेंडर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 7 लाख के पार

विधानसभा निर्वाचन 2023 में 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या 7 लाख 29 हजार 267 है, जो पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उल्लेखनीय है कि कुल 2 करोड़ 3 लाख 93 हजार 160 मतदाताओं में 1 करोड़ 1 लाख 35 हजार 561 पुरूष तथा 1करोड़ 2 लाख 56 हजार 846 महिला मतदाता हैं। आयोग ने 80 वर्ष के अधिक उम्र तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर बैठे ही डाक मतपत्र द्वारा मतदान की सुविधा प्रदान की है, जिसका लाभ उठाते हुए 6447 वृद्धि और दिव्यांग मतदाताओं ने डाक से मत देने का निर्णय लिया है। विधानसभा निर्वाचन 2023 में 19 हजार 907 सेवा मतदाता भी अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं। प्रवासी भारतीय मतदाताओं की संख्या 17 है।

पीएम मोदी के दौरे से पहले कांकेर में नक्सलियों ने की तीन ग्रामीणों की हत्या

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुनावी सभा के पहले नक्सलियों द्वारा तीन ग्रामीणों की हत्या कर देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जाता है कि नक्सलियों ने ग्रामीणों पर पुलिस की मुखबिरी करने का आरोप लगाते हुए जन अदालत में गला रेतकर मार डाला। घटना पखांजूर थाना क्षेत्र के धुर नक्सल प्रभावित ग्राम बेठिया की है। हालांकि इस घटना की अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर में बुधवार की दरमियानी रात नक्सलियों ने एक ग्रामीण की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। नक्सलियों ने ग्रामीण की हत्या के बाद शव को नड़पल्ली एवं गलगम के बीच सड़क किनारे फेंक दिया। नक्सलियों द्वारा पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाते हुए हत्या की गई। मृतक मुचाकी लिंगा (40 वर्ष) उसूर ब्लाक के ग्राम गलगम का निवासी है।

आसपास के क्षेत्र में सघन सर्च अभियान जारी है। बीजापुर एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने इस घटना की पुष्टि की है। विधानसभा चुनाव से पहले नक्सलियों द्वारा चुनाव बहिष्कार के संबंध में पर्चे भी कई इलाकों में फेंके है।

ब्लेक कैट कमांडो से घिरे वीआईपी नेता के सामने एक सहज-सुलभ आम आदमी

नांदगांव में भाजपा और रमन के लिए बड़ी चुनौती बने गिरीश!

श्रीकंचनपथ इलेक्शन न्यूज़

राजनांदगांव। प्रदेश की हाई प्रोफाइल सीटों में एक राजनांदगांव में चुनाव प्रचार अब अंतिम चरण की ओर है। यहां तीन बार के मुख्यमंत्री रहे भाजपा के डॉ. रमन सिंह का मुकाबला एक आम कृषक गिरीश देवांगन के साथ है। कई स्थानीय मुद्दों के साथ ही यहां प्रमुख रूप से वीआईपी बनाम आम आदमी और छत्तीसगढ़िया बनाम गैर छत्तीसगढ़िया का मुद्दा खूब जोरों पर है। मतदाताओं के जेहन पर पिछले 20 वर्षों से यह बात चोंट करती रही है कि उनका प्रतिनिधि ब्लेक केट कमांडों से घिरा रहता है, इसके चलते स्थानीय लोग न उनसे मिल सकते हैं; न संवाद कर सकते हैं। पिछली दफा जब कांग्रेस ने यहां से डॉ. रमन के मुकाबले करुणा शुक्ला को मैदान में उतारा तो मतदाताओं ने उन्हें सिर आंखों पर बिठाया था। लेकिन इस बार की स्थितियां और भी जुदा है। अबकी बार यहां से एक वीवीआईपी उम्मीदवार के सामने कांग्रेस ने एक आम आदमी को उतार दिया है, जिसका मतदाताओं के भीतर तक असर हो रहा है। फिर जिस तरह छत्तीसगढ़ में भगवान राम को भांचा मानकर पूजा जाता है, ठीक उसी तर्ज पर राजनांदगांव में भी गिरीश देवांगन के लिए पलक पावड़े बिछाए गए हैं। गिरीश हमर भांचा... गांव-गांव में गूंज रहा है। भाजपा के लिए इस तरह की कई और चुनौतियां भी हैं, जिससे पार पाना आसान नहीं होगा।

भांचा ल जीताना हे...

राजनांदगांव में गिरीश देवांगन का ननिहाल है। इस नजरिए से श्री देवांगन राजनांदगांव के भांचा है। छत्तीसगढ़ की परंपरा रही है कि बिटिया की शादी हो तो उसके पति को पूरा गांव अपना दामाद मानता है। ठीक इसी तर्ज पर कांग्रेस प्रत्याशी गिरीश देवांगन को पूरा राजनांदगांव क्षेत्र अपना भांचा मान रहा है। अब मतदाताओं के लिए भांचा की जीत, इज्जत और सम्मान पर बन आई है। गांव-गांव में नारा चल रहा है कि भांचा ल जीताना हे...। पार्टी ने यह राजनांदगांव से गिरीश देवांगन को प्रत्याशी घोषित किया था, तब स्वयं श्री देवांगन ने ऐसी उम्मीद नहीं की होगी। लेकिन अब भरोसा जमने लगा है। जिस तरह प्रदेश में भूपेश है तो भरोसा है का नारा चल रहा है, ठीक उसी तरह राजनांदगांव में भी भांचा गिरीश ल जिताना हे.. का नारा जोर-शोर से गूंज रहा है। दरअसल, राजनांदगांव में कुछ समय पहले तक कांग्रेस पार्टी में एक बिखराव नजर आ रहा था। कांग्रेसी एक दूसरे को पीठ दिखाते नजर आते थे। लेकिन अब क्षेत्र के सभी कांग्रेसी गिरीश देवांगन नाम की छतरी के नीचे एकजुट है। यह एक बड़ा अंतर है, जिसका चुनाव के परिणामों पर असर देखने को मिल सकता है। गिरीश देवांगन, क्षेत्र में कांग्रेस के सबसे मजबूत प्रत्याशी के रूप में उभरे हैं। दूसरी ओर भाजपा में टूटे हुए दिल और घर बैठे कार्यकर्ता कुछ और ही संकेत दे रहे हैं। यहां तक कि भाजपा के कई बड़े नामधारी नेता भी इस बार चुनाव प्रचार में नजर नहीं आ रहे।

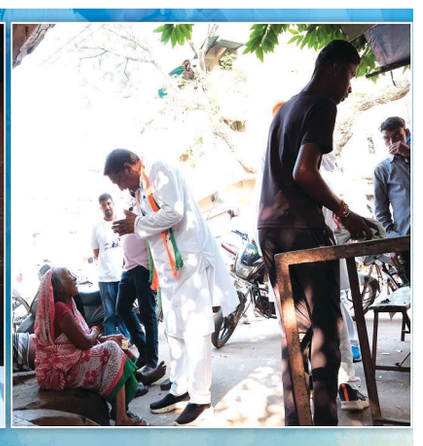

पार्टी के स्थानीय नेता और टिकट के दावेदारों को यह चोंट दर्द दे रही है। लोकल नेताओं को यह भी समझ आ रहा है कि प्रदेश में पार्टी की स्थिति इस बार भी उतनी मजबूत नहीं है। इसलिए इस चुनाव में उनका मन भी डोल रहा है। कुल मिलाकर भाजपा के लिए राजनांदगांव का मिशन 2023 संतोषजनक और प्रगतिसूचक नहीं है। दूसरी ओर कांग्रेस के कार्यकर्ता प्रदेश में सरकार बनाने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। हालांकि गिरीश देवांगन को टिकट दिए जाने के बाद यहां थोड़ी नाराजगी देखने को मिली थी, लेकिन अब उसका शमन किया जा चुका है। धीरे-धीरे कर श्री देवांगन ने पूरा क्षेत्र कव्हर किया है। इसके अलावा उन्हें सीएम भूपेश बघेल के सबसे करीबी लोगों में शुमार किया जाता है। इसका भी असर इस चुनाव में दिख रहा है। नांदगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस के पक्ष में माहौल पूरी तरह मुफीद है, जबकि शहरी क्षेत्र में, जहां भाजपा का खासा जनाधार था, वहां भी कांग्रेस को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

डॉ. रमन भी मार रहे हैं जोर

राजनांदगांव में भाजपा प्रत्याशी डॉ. रमन सिंह का प्रचार-प्रसार भी जोरों पर है। वे तीन बार मुख्यमंत्री रहे हैं, इसलिए क्षेत्र में उनके चाहने वाले और प्रशंसक कम नहीं है। भाजपा कार्यकर्ताओं का मानना है कि डॉक्टर साहब का सिर्फ चेहरा ही काफी है। राजनांदगांव क्षेत्र में भाजपा संगठन पूरी तरह व्यवस्थित और चैनलाइज है। चुनाव के वक्त सिर्फ इसे एक्टिव करने की दरकार होती है। प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी भूमिका पता है। वैसे भी डॉ. रमन को यह भलीभांति मालूम है कि चुनाव कैसे लड़ा और लड़वाया जाता है। रमन इस बार नांदगांव से पांचवीं बार मैदान में है। कार्यकर्ताओं में उत्साह है और वे जीत के प्रति आश्वस्त भी हैं।

छत्तीसगढ़ की जिन करीब एक दर्जन सीटों पर सबकी निगाहें लगी हुई है, उनमें से एक सीट राजनांदगांव भी है। यहां के विधायक डॉ. रमन सिंह को मतदाता सिर्फ ई-मीडिया या अखबारों में ही देख पाते है। वजह यह है कि वे तीन बार मुख्यमंत्री रहे हैं और उनकी सुरक्षा में चौबीसों घंटे कमांडो दल तैनात रहता है। इसके चलते स्थानीय नागरिक अपने जनप्रतिनिधि को समस्याएं भी नहीं बता पाते। रमन के साथ बढ़ती उम्र भी एक फैक्टर है। वे ज्यादा सक्रिय भी नहीं रह पाते। यहां तक कि चुनाव प्रचार या जनसम्पर्क में भी वे दीगर प्रत्याशियों के मामले में काफी पीछे हैं, क्योंकि ज्यादा चलना-फिरना नहीं हो पाता। दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी गिरीश देवांगन समेत अन्य लोग मतदाताओं से प्रत्यक्ष और जीवंत सम्पर्क कर रहे हैं। इसका भी असर राजनांदगांव के चुनाव में सीधे तौर पर दिख रहा है।

एक ओर जहां भाजपा आलाकमान ने इस बार पूरे प्रदेश में नए, युवा और ऊर्जावान चेहरों को ज्यादा तवज्जो दी है तो दूसरी ओर राजनांदगांव में इसकी घोर उपेक्षा हुई है। भले ही कोई खुलकर सामने नहीं आया, लेकिन

रमन के सामने बौने साबित हुए युवा और सीनियर नेता

15 साल की भाजपाई सत्ता के बाद पार्टी आलाकमान ने इस बार जब टिकट वितरण की कवायद शुरू की तो बूढ़े और कमजोर चेहरे ही नजर आए। पार्टी की दूसरी पंक्ति नदारत थी। कैडर घर बैठा था और पूरी तरह नाउम्मीद था। इसीलिए दूसरी पंक्ति को सामने लाने और कैडर को मजबूत करने भाजपा ने नए और युवा चेहरों को तवज्जो दी, लेकिन राजनांदगांव में डॉ. रमन सिंह के सामने युवा और सीनियर नेता बौने साबित हुए। अब यहां के युवाओं को एक बार फिर सिर्फ इंतजार ही करना होगा। रमन यहां से लगातार 4 बार चुनाव लड़कर जीत चुके हैं। जो युवा उनके साथ पहली बार आए, वे अब बूढ़े हो रहे हैं। युवाओं की अगली पौध भी राजनीतिक बागडोर संभालने को तैयार है, लेकिन सवाल अवसर का है। युवाओं को यदि अवसर ही नहीं मिलेगा तो बूढ़ाते नेताओं की विरासत कौन संभालेगा? फिर भाजपाइयों के मन में यह बात भी घर कर रही है कि डॉक्टर साहब यदि फिर जीत गए तो अगली बार भी दिक्कत हो जाएगी। भाजपा में इसी तरह की स्थितियों के देखते हुए गिरीश देवांगन की स्थिति को काफी मजबूत माना जा रहा है। कार्यकर्ताओं के भीतर यह बात बैठ चुकी है कि बस थोड़ा सा और प्रयास और फिर जीत...।

मोदी जी, इन पढ़े लिखों का क्या करें

श्रीकंचनपथ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि इस्लाम को मानने वालों के भी एक हाथ में लैपटॉप और दूसरे हाथ में कुरान हो। उन्होंने मार्च 2018 में एक इस्लामी स्कॉलर कान्फ्रेंस के दौरान ये बातें कही थीं। इस मौके पर जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला-2 भी मौजूद थे। मोदी ने कहा था कि दुनिया भर के मजहब और मत भारत की मिट्टी में पनपे हैं। भारत की आबोहवा में उन्होंने जिन्दगी पाई और सांस ली है। इस्लाम की सच्ची पहचान बनाने में जॉर्डन की अहम भूमिका रही है। जॉर्डन एक ऐसी पवित्र भूमि है, जहां से खुदा का पैगाम पैगम्बरों और संतों की आवाज बनकर दुनिया भर में गूंजा। इसके बाद भाजपा के अनेक नेताओं ने इस लाइन को दोहराया भी था। पर मोदी जी, भाजपा के उन नेताओं और समर्थकों का क्या कीजियेगा जिनकी पढ़ाई लिखाई भी नफरत फैलाने के ही काम आ रही है। आतंक की नई तरकीबों को देखें तो प्रत्येक आतंकी हमले में खूब पढ़े लिखे इंजीनियरों और रक्षा वैज्ञानिकों का योगदान साफ-साफ दिखाई देता है। अर्थात, शिक्षा न तो अंधविश्वास को दूर कर सकती है और न ही मजहबी पागलपन को कम कर सकती है। हाल ही में एक तस्वीर को वायरल किया गया जिसमें कांग्रेस के एक ब्राह्मण प्रत्याशी एक मुस्लिम बुजुर्ग के पैर धोते दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, ये तस्वीर अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस की है। इस अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में पाण्डेय ने बुजुर्गों के पांव पखारे थे। इसमें सभी कौमों के बुजुर्ग शामिल थे - मुसलमान भी। छांट कर एक तस्वीर निकाली गई और उसे क्रॉप करके व्हाट्सऐप पर शेयर कर दिया गया। साथ में कैप्शन लिख दिया गया कि वोट की राजनीति के लिए एक कांग्रेसी ब्राह्मण, मुसलमान के पैर धो रहा है। पहले लोगों को ऐसा लगता था कि जो लोग पढ़ लिख नहीं पाते, कुटिल धर्मगुरू उन्हें बरगलाते हैं। पर अब तो पढ़े लिखे भी अनपढ़ों की ही भाषा बोल रहे हैं। जैसे-जैसे शिक्षा का विस्तार हो रहा है, अंधविश्वास की जड़ें और गहरी होती जा रही हैं। एक खूब पढ़े लिखे और उच्च पद पर आसीन व्यक्ति ने बताया कि मध्यप्रदेश में एक ऐसा मंदिर है जहां अनुष्ठान करवाने वाले के दुश्मन का नाश हो जाता है और वह राजसत्ता को प्राप्त करता है। उन्होंने बताया कि चीन और पाकिस्तान के हमले के दौरान भी देश के तत्कालीन प्रधानमंत्रियों ने यहां गुप्त अनुष्ठान करवाया था, वरना सेना में कहां दम था। चुनावों में हार-जीत का फैसला भी ऐसे ही अनुष्ठानों से होता है। पर वहां अनुष्ठान करवाने का खर्च वर्तमान में लगभग एक करोड़ रुपए का बैठता है। छत्तीसगढ़ में भी ऐसे अनेक तंत्रसिद्धि के आसन हैं जहां अनुष्ठान करवाकर जीत सुनिश्चित की जा सकती है। लगता है, ऐसे अनुष्ठानों के लिए ही नेताओं को करोड़ों की काली कमाई करने के लिए विवश होना पड़ता है। क्योंकि इस खर्च को आय-व्यय के खाते में दर्शाया नहीं जा सकता।

संपादकीय

बांग्लादेश से जुड़ाव

भारत-बांग्लादेश ने अपने बीच प्रगाढ़ होते संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ लिया है। एक आभासी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक साथ तीन परियोजनाओं की शुरुआत की है। सबसे खुशी की बात है कि पूर्वोत्तर भारत का बांग्लादेश से सीधे रेल जुड़ाव बढ़ जाएगा। अखौरा-अगरतला क्रॉस बॉर्डर रेल लिंक, खुलना-मोंगला बंदरगाह रेल लाइन और मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट की इकाई की शुरुआत हुई है। पिछले नौ वर्षों में दोनों देशों के बीच तीन नई बस सेवाएं और इतनी ही रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। अकेले साल 2022 में चार नई आव्रजन जांच चौकियां खुली हैं और कंटेनर, पार्सल ट्रेनें शुरू हुई हैं। बांग्लादेश आज दक्षिण एशिया का एक उभरता हुआ देश है और उसका भारत के साथ बढ़ता जुड़ाव उसके लिए ज्यादा फायदेमंद है। भारत को बांग्लादेश के तेज आर्थिक विकास में भागीदार बनना ही चाहिए। बांग्लादेश यदि विकास के प्रति समर्पित होगा, तो इससे भारत को भी लाभ होगा। अगले साल बांग्लादेश में भी चुनाव होने हैं और भारत के साथ जुड़ाव का वहां राजनीतिक महत्व है। जैसे भारत सरकार साल 2047 को लक्ष्य बनाकर चल रही है, ठीक उसी तरह बांग्लादेश भी 2041 तक विकसित होने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। सांप्रदायिकता और भुखमरी से दूर एक उन्नत, समृद्ध और स्मार्ट बांग्लादेश बनाने में भारत को सहयोगी होना ही चाहिए। भारत सरकार के सहयोग से अनेक परियोजनाओं पर बांग्लादेश काम कर रहा है। बांग्लादेश में 12 आईटी पार्क भारतीय सहायता से बनाए जा रहे हैं। दोनों देश ऑनलाइन भुगतान की एक व्यवस्था से जुड़ने को इच्छुक हैं। ध्यान रहे, एक समय दोनों एक ही देश थे और भारत पूर्वोत्तर भारत से जुड़ने के लिए एक पतले से गलियारे पर निर्भर नहीं था। जिस तरह से दोनों देशों के बीच परिवहन का विस्तार हो रहा है, उससे लगता है कि आने वाले दशकों में दोनों देशों के बीच सीमाओं का अंतर घट जाएगा। दक्षेस या सार्क का जब सपना देखा गया था, तब दक्षिण एशियाई देशों के बीच अबाध परिवहन सेवाओं के बारे में भी सोचा गया था। दक्षिण एशिया में कम से कम बांग्लादेश तनाव से ऊपर उठकर भारत के साथ अपनी सीमाओं को खोल रहा है। भारत की 'पड़ोसी पहले' की नीति में बांग्लादेश का स्थान केंद्रीय है। पाकिस्तान, श्रीलंका की आर्थिक स्थिति बहुत दुर्बल है और दोनों ही देशों में आर्थिक सुधार की रफ्तार भी सुस्त है। नेपाल की अपनी मजबूरियां हैं और अफगानिस्तान में तालिबान का अलग एजेंडा है। ऐसे में, प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में बांग्लादेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। ढाका और कोलकाता के बीच दूरियां तेजी से घट रही हैं। इससे व्यापार के साथ ही पर्यटन को भी बल मिलेगा। सांस्कृतिक-सामाजिक जुड़ाव भी प्रगाढ़ होगा। अब भारत-बांग्लादेश के बीच छह रेल लिंक स्थापित हो चुके हैं। भारत बांग्लादेश को अरबों रुपये अनुदान और ऋण के रूप में दे रहा है। ताजा ऊर्जा परियोजना के लिए भी भारत ने बांग्लादेश को 1.6 अरब डॉलर ऋण के रूप में दिया है। आने वाले समय में बांग्लादेश में भी अतिरिक्त ऊर्जा का उत्पादन हो सकेगा और वह भारत को ऊर्जा आपूर्ति कर सकेगा। शेख हसीना की यह टिप्पणी बहुत मायने रखती है, 'हम साबित करेंगे कि पड़ोसी के साथ अच्छे संबंध देश के विकास में कितने सहायक होते हैं। शायद भारत के हर प्रतिकूल पड़ोसी के कानों तक यह गूंज पहुंचेगी।

> भारत सरकार के सहयोग से अनेक परियोजनाओं पर बांग्लादेश काम कर रहा है। बांग्लादेश में 12 आईटी पार्क भारतीय सहायता से बनाए जा रहे हैं। दोनों देश ऑनलाइन भुगतान की एक व्यवस्था से जुड़ने को इच्छुक हैं। ध्यान रहे, एक समय दोनों एक ही देश थे और भारत पूर्वोत्तर भारत से जुड़ने के लिए एक पतले से गलियारे पर निर्भर नहीं था।

फिर एक ट्रेन हादसा

इस प्रश्न पर गंभीर विचार-विमर्श की जरूरत है कि हर कुछ अंतराल पर देश में भीषण ट्रेन हादसे क्यों हो रहे हैं। इस बार ऐसी दुर्घटना आंध्र प्रदेश में हुई है। फिर एक खड़ी पैसेंजर ट्रेन को पीछे आकर एक दूसरी पैसेंजर ट्रेन ने टक्कर मार दी। ऐसी घटनाओं के तुरंत बाद अक्सर मीडिया में मानवीय भूल की कहानी प्रचारित कर दी जाती है। मगर प्रश्न है कि इस तरह की जानलेवा मानवीय भूल बार-बार क्यों हो रही है? यह यह कहानी इस असल मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए फैलाई जाती है कि भारतीय रेल एक ढहते हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर की मिसाल बनकर रह गई है? दशकों से भारतीय रेल के आधुनिकीकरण की जरूरत बताई जाती रही है। इसके लिए समितियां और आयोग बने। लेकिन उनकी सिफारिशें मंत्रालय की अलमारियों में धूल फांकती रही हैं। इस बीच देश के कर्ता-धर्ताओं ने अपनी प्राथमिकताएं बदल लीं। आज प्राथमिकता यह नजर आती है कि आर्थिक रूप से सक्षम यात्रियों के लिए कुछ सुविधाजनक ट्रेनें चला दी जाएं और बाकी सब जैसा है, उसी हाल में चलने दिया जाए। चूंकि व्यापारीकरण का नजरिया राजकाज पर हावी है, इसलिए आम नागरिक की जान या सुविधाएं स्वत: प्राथमिकता में नीचे चली जाती हैं। इस वर्ष आई सीएजी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि 2021-22 में सभी श्रेणियों की यात्री सेवाओं को मिलाकर रेलवे को हुई आय में 68,269 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। हालांकि माल ढुलाई से लगभग इतनी रकम का ही मुनाफा भी हुआ। अब चूंकि नजरिया हर सेक्टर से हुए हानि-लाभ पर टिका है, तो जाहिर है, आम यात्री सेवाओं को उपेक्षायोग्य समझा जाने लगा है। बहरहाल, प्रश्न है कि क्या यह सोचने का सही नजरिया है? किसी संभावनापूर्ण समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सस्ते परिवहन को ऐसी जरूरी सेवाएं समझा जाता है, जिन्हें उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व माना जाता है। यह अर्थव्यवस्था के विकास के लिए भी अनिवार्य समझा जाता है। वैसे भी समाज या अर्थव्यवस्था का मकसद इनसान को बेहतर जिंदगी मुहैया कराना ही है। बार-बार हो रही रेल दुर्घटनाएं संभवत: इस बात का संकेत हैं कि भारत इस मकसद से भटकता चला जा रहा है।

हरियाणा में गैर जाट राजनीति ही करेगी भाजपा

भारतीय जनता पार्टी ने भले झारखंड में गैर आदिवासी राजनीति की अपनी करीब 10 साल पुरानी रणनीति बदल दी है लेकिन हरियाणा में वह गैर जाट राजनीति नहीं छोड़ने जा रही है। उलटे भाजपा गैर जाट राजनीति को और मजबूत करने के उपाय कर रही है। इस उपाय के तहत ही जाट नेता ओमप्रकाश धनखड़ को हटा कर उनकी जगह पिछड़ी जाति के नायब सिंह सैनी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। वे कुरूक्षेत्र सीट से लोकसभा के सांसद हैं। ध्यान रहे भाजपा ने 2014 में चुनाव जीतने के बाद जाट की बजाय पंजाबी नेता मनोहर लाल खट्टर को मुख्यमंत्री बनाया था। वे लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बने हैं। अगले साल के चुनाव से पहले भाजपा पंजाबी, पिछड़ा, दलित और ब्राह्मण वोट यानी गैर जाट वोट पर फोकस किए रहेगी।

असल में हरियाणा में कांग्रेस की पूरी राजनीति जाट वोट के ईर्द-गिर्द घूम रही है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंदर सिंह हुड्डा को पार्टी ने लगभग पूरी कमान दे रखी है। उनके अलावा भी जो नेता हैं उनमें सबसे महत्वपूर्ण रणदीप सुरजेवाला हैं और वे भी जाट समुदाय के हैं। कुमारी शैलजा जरूर दलित हैं लेकिन सुरजेवाला की तरह वे भी प्रदेश से बाहर की राजनीति कर रही हैं। हुड्डा ने अपनी पसंद से उदयभान को प्रदेश अध्यक्ष बनवाया है, जो दलित समुदाय के हैं। लेकिन जाट और दलित का समीकरण कितना काम करेगा यह नहीं कहा जा सकता है। दूसरी ओर भाजपा ने अपनी पार्टी के सभी जाट नेताओं को किनारे कर दिया है। कैप्टेन अभिमन्यु कहां हैं और क्या कर रहे हैं, यह किसी को पता नहीं है और चौधरी बीरेंद्र सिंह व उनके बेटे बृजेंद्र सिंह का भविष्य भी मुश्किल में दिख रहा है।

> हमारे समाज की एक कटु हकीकत यह भी है कि जो लोग आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, वे सामाजिक रूप से भी पीछे हैं, और जो वर्ग आर्थिक उन्नति कर चुका है, वह सामाजिक रूप से भी उन्नत है। हालांकि, आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों को मिलने वाले आरक्षण का प्रभाव अलग-अलग पड़ता है। ऐसे में, आरक्षण की मांग का आर्थिक पहलू क्या है? इसके लिए हमें आरक्षण आंदोलनों पर एक नजर डालनी होगी।

आरक्षण की मांग का अर्थशास्त्र

सुरजीत मजूमदार, प्रोफेसर, जेएनयू

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर महाराष्ट्र में उथल-पुथल मची हुई है। कुछ इसी तरह की तस्वीर हमने राजस्थान, हरियाणा, गुजरात जैसे राज्यों में भी देखी है, जहां जाट, गूर्जर, पाटीदार जैसी जातियां-जनजातियां अपने लिए आरक्षण की मांग करती रही हैं। क्या ऐसी मांगों की वजह सिर्फ सत्ता में हिस्सेदारी पाना है या इनका कोई आर्थिक-सामाजिक पक्ष भी है? भारतीय संविधान में हम इसका जवाब खोज सकते हैं।

हमारा संविधान एक ऐसे समाज की कल्पना करता है, जिसमें आर्थिक और सामाजिक रूप से समानता हो। मगर वह यह मानकर भी चलता है कि अभी समाज में ऐसी परिस्थिति नहीं बन पाई है। इसके लिए संविधान-निर्माताओं ने जो रास्ता ढूंढ़ा, उसमें आरक्षण की भूमिका महसूस की गई। दरअसल, सामाजिक असमानता के कारण व्यवस्था में शिक्षा व रोजगार के जो थोड़े बेहतर अवसर होते हैं और जिनकी समाज के नियंत्रण में एक भूमिका होती है, उनमें सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व कम हो जाता है। अगर असमानता न हो, तो ऐसा कोई कारण नहीं है कि सरकारी नौकरियों या उच्च शिक्षा में ऊंची जाति के लोगों का ही बहुमत हो। आरक्षण का प्रावधान इसीलिए किया गया कि इन अवसरों में भी समानता आए और समाज के हर तबके को, खासकर जो पिछड़े हुए हैं, हिस्सेदारी मिले।

मगर, सामाजिक असमानता को आरक्षण-व्यवस्था पूरी तरह खत्म नहीं कर सकती। मिसाल के लिए, कुल रोजगार में सरकारी नौकरियों की हिस्सेदारी महज छह-सात फीसदी है, जबकि कुल जनसंख्या में पिछड़े वर्गों की हिस्सेदारी इससे कई गुना अधिक है। यानी, आरक्षण से उनकी समस्या का पूर्ण समाधान नहीं हो सकता, लेकिन इतना जरूर हो सकता है कि इन नौकरियों में उनकी भी कुछ हिस्सेदारी सुनिश्चित हो सके। आरक्षण की जरूरत इसीलिए महसूस की जाती रही है। इससे सरकारी ढांचे के काम करने की व्यवस्था पर भी असर पड़ता है और उसमें अधिक समानता आती है।

हमारे समाज की एक कटु हकीकत यह भी है कि जो लोग आर्थिक रूप से पिछड़े हैं, वे सामाजिक रूप से भी पीछे हैं, और जो वर्ग आर्थिक उन्नति कर चुका है, वह सामाजिक रूप से भी उन्नत है। हालांकि, आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों को मिलने वाले आरक्षण का प्रभाव अलग-अलग पड़ता है। ऐसे में, आरक्षण की मांग का आर्थिक पहलू क्या है? इसके लिए हमें आरक्षण आंदोलनों पर एक नजर डालनी होगी। शुरुआत में आरक्षण का मसला सिर्फ इस सवाल पर टिका था कि कौन इसके पक्ष में है व कौन विपक्ष में? मंडल आयोग की सिफारिशों को जब लागू किया गया, तो आरक्षण के विरोध में व्यापक आंदोलन भी चला। मगर जैसे-जैसे इन समुदायों की राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्रों में हिस्सेदारी बढ़ी, देश के राजनीतिक नजरिये में बदलाव आने लगा। अब अमूमन कोई आरक्षण का विरोध नहीं करता। इसकी एक वजह यह भी है कि जिस सामाजिक हकीकत के मद्देनजर इसकी व्यवस्था की गई थी, वह आज भी कायम है। नतीजतन, आरक्षण की जरूरत हमें आज भी पड़ रही है।

इन वर्षों में सामाजिक बदलाव भी तेजी से हुआ है। जब हम कहते हैं, अमुक जाति आर्थिक व सामाजिक रूप से समृद्ध थी, तब इसका आधार है, कृषि क्षेत्र में उनकी हैसियत। इसी हैसियत के कारण गांवों में जिन तबकों के पास जमीनें अधिक थीं और कृषि से कमाई थी, उनका स्थानीय राजनीतिक व सामाजिक प्रक्रियाओं में खासा प्रभाव था। मराठा, जाट, पटेल जैसे तमाम वर्ग इसी श्रेणी में आते हैं। ये समृद्ध थे, लेकिन उनकी संपन्नता कृषि-कर्म से जुड़ी थी। मगर समय के साथ अर्थव्यवस्था में बदलाव आया और पिछले तीन दशकों में कृषि क्षेत्र में संकट इस कदर बढ़ा कि उनकी समृद्धि घटती चली गई। एक समय बेशक ये वर्ग संपन्न रहे, लेकिन अब उनकी संपन्नता खत्म हो चुकी है, इसलिए उनमें भी आरक्षण की चाहत बढ़ने लगी है। वे खुद को पिछड़ा कहकर इसका लाभ लेना चाहते हैं। हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं कि उनकी मांग जायज है, क्योंकि उनकी स्थिति में बेशक बदलाव आया है, लेकिन तब भी ऐसा नहीं है कि जिन वर्गों को आरक्षण की सुविधा दी गई है, उनसे उनकी स्थिति खराब है।

कृषि क्षेत्र में संकट का एक दुष्परिणाम यह भी निकला कि गैर-कृषि क्षेत्रों पर दबाव बढ़ गया और यहां भी आर्थिक और रोजगार के अवसर सीमित होने लगे। जिन नौकरियों में अच्छा वेतन मिलता है, वे अब काफी कम हो चुकी हैं। अनुमान है कि देश में 50 करोड़ कामगार रोजगार के क्षेत्र में हैं। इनमें से दो या तीन प्रतिशत ही हर महीने 40,000 से 50,000 रुपये वेतन कमा पाते हैं, ज्यादातर लोगों की तनख्वाह 15,000 रुपये से नीचे ही है। इसका यह अर्थ है कि कृषि क्षेत्र में संकट आने के बाद यदि इन वर्गों ने गैर-कृषि क्षेत्र की तरफ कदम बढ़ाए भी, तो उनको बहुत ज्यादा लाभ नहीं मिला। इसीलिए हर समुदाय की यही इच्छा होती है कि सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार के जो भी सीमित अवसर हैं, उनमें उनकी भी हिस्सेदारी हो और इसके लिए उनको आरक्षण की मांग करने के सिवा कोई दूसरा रास्ता नहीं दिखता। हालांकि, यह सही विकल्प नहीं है, क्योंकि उनकी मांग अगर मान भी ली गई, तो सरकारी क्षेत्र में घटते रोजगार के अवसरों में भला उनको कितनी नौकरी मिल सकेगी?

ऐसा नहीं है कि उच्च शिक्षा या नौकरियों में वंचित तबकों की हिस्सेदारी नहीं बढ़ी है। मगर उनका जितना अनुपात होना चाहिए, उतना आज भी नहीं है। इतना ही नहीं, रोजगार और शिक्षा के निम्न स्तर पर तो उनकी संख्या दिखती है, लेकिन जैसे-जैसे हम ऊपर की ओर बढ़ते हैं, यह आंकड़ा तेजी से कम होने लगता है।

आखिर आरक्षण का क्या विकल्प है? इसके लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे। बुनियादी समाधान तो यही है। नौकरियों में यदि समाज के हर तबके की हिस्सेदारी सुनिश्चित होने लगे, तो आरक्षण की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। मगर दिक्कत यह है कि पुरानी असमानता के साथ-साथ नई असमानता भी पैदा हो रही है। सभी तबकों का समान विकास नहीं हो रहा। अलबत्ता, कुछ वर्गों की स्थिति और खराब हुई है। लिहाजा, जब तक इस असमानता को दूर नहीं किया जाएगा और रोजगार के व्यापक अवसर तैयार नहीं किए जाएंगे, आरक्षण का सवाल बना रहेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

इजरायल का अकेले पड़ना किसी सजा से कम नहीं

मनु जोसफ, पत्रकार और उपन्यासकार

गाजा में भले ही मलबे का ढेर लग जाता हो, पर वहां रहने वाले लोग किसी न किसी तरह से अपने मरहूम परिजनों के लिए हमेशा सफेद कफन खोज ही लेते हैं। वहां पर छोटे-छोटे बच्चे जान गंवा रहे हैं, उनके माता-पिता और बुजुर्गों की भी जान जा रही है। फिलिस्तीनियों का दर्द गहराई से महसूस करने के लिए हमें बस एक दिमाग और दिल की जरूरत है, पर इजरायल के अकेलेपन को महसूस करने के लिए थोड़ी हिम्मत की जरूरत है।

एक अंग्रेजी फिल्म है अवतार, जिसमें पश्चिम एशियाई समस्या का भी अंश है। मनुष्य किसी अन्य ग्रह पर किसी स्थानीय जनजातीय प्रजाति को गुलाम बनाने के लिए अपनी बेहतर तकनीक का उपयोग करता है। ये खुद को श्रेष्ठ मानने वाले ऐसे मनुष्य हैं, जिन्हें जीवित रहने के लिए किसी अन्य दुनिया में उपनिवेश बनाने की जरूरत है, क्योंकि पृथ्वी समाप्त हो चुकी है। ऐसे मनुष्यों को उत्पीड़क होने या विलुप्त हो जाने के बीच ही चुनना पड़ेगा।

हालांकि, यह मूल निवासियों को नुकसान पहुंचाने का नैतिक आधार नहीं है। किसी भी मामले में कौन सा समझदार व्यक्ति स्थानीय जनजातीय लोगों के खिलाफ हमले के प्रति सहानुभूति रखेगा? ठीक यही बात इजरायल के साथ है, वह अकेला नजर आ रहा है।

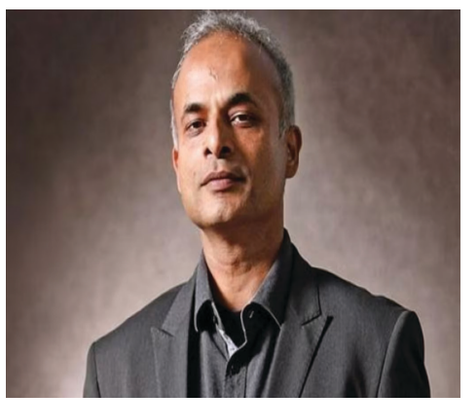

इजरायल का यह अकेलापन ताकतवर लोगों या उन लोगों का अकेलापन है, जो फिलहाल लड़ाई जीत गए हैं। यह एक आधुनिक अकेलापन भी है। सदियों से ताकतवर ने कमजोरों को खत्म ही किया है। ताकतवर का मकसद बदकिस्मत या कमजोर लोगों की देखभाल करना होना चाहिए, उन्हें खत्म करना नहीं। फिर भी इजरायल का मानना है कि उसके पास केवल दो ही विकल्प हैं, उत्पीड़क बनो या दुनिया के नक्शे से मिट जाओ।

19वीं सदी के आखिर में इजरायल के बारे में ब्रिटिश यहूदी अभिजात्य वर्ग ने सोचा था। यहूदी हर जगह सताए गए थे। उनकी अपनी पवित्र भूमि पर अरबों ने कब्जा कर लिया था, उस भूमि को फिर से पाने का प्रस्ताव आज हास्यास्पद लगता है, लेकिन जिस युग में इजरायल के बारे में सोचा गया, वह अभिजात वर्ग व श्वेत इंसानों का स्वर्ण युग था। तब यूरोपीय लोग खुद को अन्य लोगों से अलग और श्रेष्ठ मानते थे।

एक यहूदी लेखक अरी शावित ने अपनी पुस्तक माई प्रॉमिस्ड लैंड में अपने पूर्वजों की दृष्टि पर आश्चर्य व्यक्त किया है। शावित के परदादा हर्बेट बेंटविच इजरायल के संस्थापकों में से एक थे। साल 1897 में फिलिस्तीन में पांच लाख से अधिक अरबों से उनकी भूमि ले ली गई। तब अरब इतने गरीब थे कि किसी विक्टोरियन श्रेष्ठ इंसान का उन पर ध्यान ही नहीं गया।

यहूदियों ने स्थानीय लोगों या फिलिस्तीनियों को अपने तंबू समेटने और चले जाने को प्रेरित किया या फिर उन्हें अधिक बर्बर तरीकों से गायब कर दिया। शुरुआत में हिंसा की छिटपुट घटनाओं के बावजूद अरब और यहूदी साथ-साथ रहते थे। समय के साथ हिंसा बढ़ती गई। यहूदी अभिजात वर्ग को यह एहसास हुआ कि उन्हें अपने ऐसे देश की जरूरत है, जहां कोई अरब न हो। वैसे, अरब देशों ने इजरायल के अस्तित्व को मान्यता नहीं दी थी। 14 मई, 1948 को इजरायल के गठन के एक दिन बाद ही मिस्र, जॉर्डन, इराक, सीरिया और लेबनान की सेनाओं ने आक्रमण कर दिया, पर इजराइल की जीत हुई।

आज बात सिर्फ इजरायल की नहीं है, हर ताकतवर की है। दुनिया ताकतवर को बर्दाश्त नहीं कर सकती। दुनिया चाहती है कि आप घुटने टेकें, रेंगें और रोएं, पर इजरायल इसमें बुरा है। शुरुआती वर्षों में ही उसने यहूदियों से नरसंहार पर चुप रहने और रोना बंद करने के लिए कह दिया था। इजरायल ताकत और उम्मीद पर बना है।

दरअसल, इजरायल को डर है कि उसे किसी भी दिन खत्म किया जा सकता है। एक मजबूत और समृद्ध फिलिस्तीन उसके लिए बहुत खतरनाक है। इजरायल को एक बफर जोन की जरूरत है, हां, हम बफर जोन में रहने वाले लोगों के बारे में एक सुंदर- दुख भरी कविता लिख सकते हैं; यह एक आसान कविता होगी। कविता तो वह कठिन है, जिसके बारे में इजरायल की नेता गोल्डा मेयर ने एक बार कहा था, 'हर सभ्यता अपने मूल्यों के साथ समझौता करना आवश्यक समझती है।'

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

चंदे का स्रोत नागरिकों को जरूर बताया जाए

अजीत द्विवेदी

यह कमाल की बात है, जो सरकार भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की लहर पर चुनाव जीती और जिसने सार्वजनिक जीवन में सम्पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने का वादा किया वह सुप्रीम कोर्ट में कह रही है कि देश के नागरिकों को यह जानने का अधिकार नहीं है कि राजनीतिक दलों को कहां से चंदा मिलता है और कौन कितना चंदा देता है! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने को फकीर बताते हैं, उन्होंने 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा' का नारा दिया और हर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच से बताते हैं कि भारत 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' है लेकिन उनके सबसे बड़े कानूनी अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नागरिकों को राजनीतिक दलों के चंदे के बारे में जानने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है। सोचें, जब यही अधिकार नहीं है तो बाकी किसी अधिकार का क्या मतलब है? देश के नंबर एक कानूनी अधिकारी यानी अटॉर्नी जनरल को पता था कि जब वे कहेंगे कि नागरिकों को चंदे के बारे में जानने का मौलिक अधिकार नहीं है तो सूचना के अधिकार का मुद्दा उठेगा। तभी उन्होंने लगे हाथ यह भी कह दिया कि सूचना का अधिकार सीमित है। यानी राजनीतिक दलों के चंदों के मामले में सूचना का अधिकार लागू नहीं होता है।

सोचें, यह कितनी हैरानी की बात है। राजनीतिक दलों का चंदा कौन सा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है, जो उसके बारे में सूचना के अधिकार के तहत जानकारी नहीं मिल सकती है? जब देश के नागरिकों को यह अधिकार दिया गया है कि वे हर राजनीतिक दल के उम्मीदवारों के बारे में यह जान सकें कि उसके ऊपर कितने आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं, उसकी संपत्ति कितनी है, उसके ऊपर कितना कर्ज है, वह कितना पढ़ा-लिखा है तो राजनीतिक दलों के चंदे के बारे में जानने से उसे कैसे रोका जा सकता है? किस राजनीतिक दल के पास कितनी संपत्ति है, उसके खाते में कितना पैसा जमा है, किस साल उसे कितना चंदा मिला और किस चुनाव में उसने कितना खर्च किया यह सारी जानकारी दी जाती है फिर यह बताने में क्या दिक्कत है कि वह चंदा उसे किसने दिया?

यह भी हैरानी की बात है कि 2017 में राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए चुनावी बॉन्ड की व्यवस्था लागू करने का कानून बना तो कहा गया कि इससे राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता आएगी। लेकिन असल में जो थोड़ी बहुत पारदर्शिता पहले से थी उसे भी इस कानून के जरिए समाप्त कर दिया गया। असल में यह कानून इसलिए बनाया गया ताकि लोगों को पता नहीं चल सके कि सत्तारूढ़ दल को कौन कितना चंदा दे रहा है। यह हकीकत है कि सिर्फ सत्तारूढ़ दल के चंदे का ही पता नहीं चल पाता है। विपक्षी पार्टियों को किसने चंदा दिया यह सरकार को पता होता है तो जाहिर है कि सत्तारूढ़ दल को भी पता चल ही जाता होगा। ध्यान रहे चुनावी बॉन्ड की बिक्री सिर्फ एक सरकारी बैंक के जरिए होती है और कंपनियों के आयकर रिटर्न में भी इस बात की जानकारी होती है कि उन्होंने कितने का चुनावी बॉन्ड खरीदा और उसे किस पार्टी को दिया। इसलिए सरकार को यह पता होता है कि कौन कारोबारी या निजी व्यक्ति किसी विपक्षी पार्टी को कितना चंदा देता है।

सोचें, यह बहुदलीय लोकतांत्रिक प्रणाली के लिए कितनी खतरनाक स्थिति है? जब सब कुछ खुला था तब की बात अलग थी। लेकिन जब सरकार ने कानून बना कर सुनिश्चित किया है कि सिर्फ उसे पता चले कि कौन व्यक्ति किस पार्टी को कितना चंदा दे रहा है तो फिर कोई कारोबारी या निजी व्यक्ति क्यों किसी विपक्षी पार्टी को चंदा देगा? उसे इस बात का खतरा हमेशा रहेगा कि सरकार उसके प्रति पूर्वाग्रह पाल सकती है। तभी यह अनायास नहीं है कि चुनावी बॉन्ड के जरिए जो चंदा दिया जा रहा है उसका बड़ा हिस्सा सत्तारूढ़ दल यानी भाजपा के खाते में जा रहा है। बचा-खुचा जो चंदा विपक्षी पार्टियों को जाता है वह भी निश्चित रूप से सरकार की सहमति से जाता होगा ताकि लोकतंत्र का भ्रम बना रहे। चंदे की इस व्यवस्था में दो खतरे और हैं। पहला तो यह कि चुनावी बॉन्ड के कानून से यह सीमा हटा दी गई है कि कोई भी कंपनी अपने तीन साल के औसत शुद्ध लाभ के साढ़े सात फीसदी से ज्यादा राजनीतिक चंदा नहीं दे सकती है। इसका मतलब है कि कोई कंपनी सरकारी दल को खुश करने के लिए कितना भी चंदा दे सकती है। दूसरा खतरा यह है कि शेल यानी फर्जी कंपनियों के जरिए पार्टियों को भारी-भरकम चंदा दिया जा सकता है। इससे चुनावी प्रक्रिया और सरकार की शुचिता दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

असल में पहले दिन से चुनावी बॉन्ड का मामला संदिग्ध था और तभी सरकार ने इसे धन विधेयक के तौर पर पास करके कानून बनाया। ध्यान रहे 2017 में केंद्र की भाजपा सरकार के पास राज्यसभा में बहुमत नहीं था। अब तो वह बहुमत के काफी करीब पहुंच गई है लेकिन उस समय भाजपा और एनडीए दोनों बहुमत से बहुत दूर थे। तभी चुनावी बॉन्ड को धन विधेयक के तौर पर लोकसभा में पेश किया गया और वहां से पास करा कर इसे कानून बना दिया गया। इस मसले पर भी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी है। राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता खत्म करने की बात चली है तो यह बताना भी जरूरी है कि केंद्र की इसी सरकार ने विदेशी चंदे के मामले में पहले से चले आ रहे कानून को बदल कर यह सुनिश्चित किया कि किसी भी राजनीतिक दल को विदेश से मिलने वाले चंदे की जांच नहीं हो सकती है। इस तरह दिल्ली हाई कोर्ट के एक फैसले को केंद्र सरकार ने निरस्त कर दिया। अगर ऐसा नहीं होता तो भाजपा और कांग्रेस दोनों को 1976 से अब तक मिले विदेशी चंदे का हिसाब देना होता।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मतदान दलों के 354 वाहनों में जीपीएस सिस्टम,कंट्रोल रूम से होगी निगरानी

कांकेर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि सेक्टर अधिकारी और मतदान दलों को उनके मतदान केन्द्रों तक ले जाने वाले वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगाया जाएगा, जिससे उनकी लोकेशन की नियंत्रण कक्ष से सतत निगरानी की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले के कांकेर विधानसभा क्षेत्र के 94, भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के 100 और अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र के 160 वाहनों सहित कुल 354 वाहनों में जीपीएस लगाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने एफएसटी एवं एसएसटी की टीमों को मुस्तैदी से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अंतागढ़ विधानसभा में 221, भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में 266 एवं कांकेर विधानसभा क्षेत्र में 240 सहित कुल 727 मतदान केन्द्र हैं। उन्होंने सभी रिटर्निंग अधिकारियों को इन पोलिंग बूथों का जायजा लेने के भी निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मतदान दलों का प्रशिक्षण कार्य संपन्न हो चुका है।

नगरीय निकाय दल्लीराजहरा के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बालोद। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में आज जिले के नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा के अंतर्गत शहीद मैदान में वृहद मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आम नागरिक सहित अधिकारी-कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने जागरूकता रैली निकालकर लोगों को अपने मतदान का उपयोग करने व शत प्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया। स्वीप की नोडल अधिकारी तथा जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को शत प्रतिशत मतदान का संदेश देते हुए 17 नवम्बर को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाताओं, नववधु और नवीन मतदाताओं को पौधा भेंटकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से निर्वाचन संबंधी विभिन्न सवाल भी क्वीज प्रतियोगिता के रूप में पुछे गए, जिसका सही जवाब देने वालों को सम्मानित करते हुए पौधा भेंट किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने वृहद आकर्षक रंगोली का निर्माण किया।

मुख्य महाप्रबंधक बी. रामचंद्र राव को दी भाव-भीनी विदाई

कोरबा। एनटीपीसी टाउनशिप स्थित केन्द्रीय विद्यालय नंबर 2 कोरबा में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। एनटीपीसी कोरबा के मुख्य महाप्रबंधक और विद्यालय के नॉमिनी चेयरमैन रहे बी. रामचंद्र राव की सेवानिवृत्ति पर हुए कार्यक्रम में उनको शॉल, श्रीफल भेंटकर सम्मानित कर स्वागत गीत गाए। प्राचार्य एस.के. साहू की अगुआई में बच्चों और शिक्षकों सहित विद्यालय परिवार ने श्री राव को सम्मानित करते हुए भाव-भीनी विदाई दी। इस अवसर पर उनके सहयोगी सीनियर मैनेजर मानव संसाधन श्रीराम, आर.के. साहू, शैलेश कुमार चौहान आदि उपस्थित रहे। सर्वप्रथम विद्यालय के स्काउट गाइड के विद्यार्थियों द्वारा कलर पार्टी से उनका स्वागत किया गया। मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित करने के पश्चात विद्यालय के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

एनआईटी रायपुर में इंडस्ट्री-इंस्टिट्यूट इंटरेक्शन पर राष्ट्रीय कॉन्क्लेव प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योग–संस्थान इंटरेक्शन 2023 पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव का चौथा संस्करण आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर में शुरू हो गया है। 1 नवंबर 2023 को शुरू हुआ यह कार्यक्रम एक प्रेरक राष्ट्रीय गीत और दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ, जिसने उद्योग और शिक्षा जगत के बीच एकता और सहयोग का स्वर स्थापित किया।

यह कार्यक्रम शिक्षा और उद्योग के क्षेत्रों के बीच सहयोग और तालमेल को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है, जो आपसी विकास और प्रगति के एक सामान्य मिशन द्वारा संचालित होता है जिससे कुल मिलाकर राष्ट्रीय प्रगति होती है। उद्घाटन सत्र में शैक्षणिक और औद्योगिक क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं, जिसमें एनआईटी रायपुर के उद्योग संस्थान सहयोग सेल की अध्यक्ष डॉ. शोभा लता सिन्हा ने उपस्थित प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

संस्थान के माननीय निदेशक डॉ. एन वी रमना राव ने औद्योगिक परिदृश्य में शिक्षा जगत की अपरिहार्य भूमिका पर प्रकाश डालते हुए एक भावपूर्ण भाषण दिया। डॉ. राव ने संकाय सदस्यों के बीच उद्यमशीलता संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया, उन्हें नए विचारों वाले उद्योगों के लिए निवेशकों की भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। भिलाई स्टील प्लांट भिलाई के प्रबंध निदेशक पवन कुमार ने अकादमिक शोधकर्ताओं के बीच एक आदर्श बदलाव की वकालत करते हुए बातचीत में अपना दृष्टिकोण जोड़ा। उन्होंने शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग की शक्ति पर जोर देते हुए शोधकर्ताओं से अपनी परियोजनाओं में सक्रिय रूप से निवेश की मांग करने के लिए अनुदान या अनुसंधान निधि मांगने से आगे बढ़ने का आग्रह किया। एनआईटी रायपुर के बोर्ड ऑफगवर्नर्स के अध्यक्ष, डॉ. सुरेश हावरे ने शक्ति गतिशीलता के विकास पर एक दूरदर्शी परिप्रेक्ष्य पेश किया, जिसमें सदियों पुरानी कहावत ज्ञान ही शक्ति है से लेकर समकालीन अनुभूति डेटा ही शक्ति है में परिवर्तन पर ध्यान दिया गया। शक्ति। डॉ. हावरे ने नवाचार और प्रगति को आगे बढ़ाने में मानव संसाधनों के महत्व को स्वीकार करते हुए एक ऐसे भविष्य की रूपरेखा तैयार की, जहां प्रशिक्षित और कुशल जनशक्ति ही शक्ति है।

चर्चा को और समृद्ध करते हुए, जीईसी-एनआईटी पूर्व छात्र संघ के अध्यक्ष श्री उमेश चितलांगिया ने उस अमूल्य समर्थन के बारे में प्रकाश डाला जो छात्र उन पूर्व छात्रों से प्राप्त कर सकते हैं जिन्होंने विभिन्न उद्योगों, सेवा क्षेत्र और कार्यकारी भूमिकाओं में सफलता पाई है। कॉन्क्लेव का प्रारंभिक आकर्षण एक पैनल चर्चा थी, जिसमें शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र के दिग्गजों को शामिल किया गया था। डॉ. प्रभात कुमार दीवान, डीन रिसर्च एंड कंसल्टेंसी द्वारा कुशलतापूर्वक संचालित पैनल, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग के महत्वपूर्ण विषय के इर्द-गिर्द घूमता रहा। पैनलिस्टों ने गहन अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिसमें प्रोफेसर राजीव प्रकाश, निदेशक आईआईटी भिलाई ने मौलिक और व्यावहारिक अनुसंधान दोनों की अनिवार्य आवश्यकता पर जोर दिया। आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रोफेसर राम कुमार काकानी ने औद्योगिक आवश्यकताओं की उचित बुद्धिमत्ता और संवेदनशीलता पर जोर दिया। प्रोफेसर प्रकाश. सीसीओएसटी के अध्यक्ष श्री एस.एस. बजाज ने बताया कि सरकार जनशक्ति को तैयार करने के लिए सबसे बड़ा उद्योग है और विभिन्न क्षेत्रों में समस्या की उचित पहचान सहयोग के लिए सेतु बन सकती है। सीआईआईआई के अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने उद्योग में अनुकूलन के लिए छात्रों की मानसिकता में बदलाव की ओर इशारा किया।

नंदिनी खदान में स्वच्छता माह का हुआ समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नंदिनी खदान और भारतीय खान ब्यूरो के संयुक्त तत्वाधान में 2 अक्टूबर 2023 से संचालित स्वच्छता माह का समापन समारोह, डीएवी इस्पात विद्यालय नंदिनी में दिनांक 31 अक्टूबर 2023 को आयोजित किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय खान नियंत्रक प्रेम प्रकाश, भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक समीर स्वरुप, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री प्रेम प्रकाश ने कहा कि स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत के मिशन को प्राप्त करने के लिए हर एक नागरिक की उतनी ही जिम्मेदारी है जितनी हमारी स्वयं के घर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए होती है। स्वच्छ खदान से ही विकसित

खदान के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने स्वच्छता अभियान के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र बिरादरी के प्रयासों की सराहना की और धन्यवाद देते हुए कहा कि हमें आगे भी स्वच्छता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास को जारी रखना है। कार्यपालक निदेशक समीर स्वरूप में भी अपने उद्बोधन में स्वच्छता को प्रमुखता से ध्यान देने की बात कही और कहा कि छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर हम अपने स्थान के साथ-साथ देश को स्वच्छ बना सकते हैं स्वच्छ भारत देश मिशन में हम सभी की भागीदारी आवश्यक है। कार्यपालक निदेशक बी के गिरी ने अपने संबोधन में कहा कि कार्यक्षेत्र में सुरक्षा और दक्षता के साथ-साथ स्वच्छता को अपनाकर विकसित खदान की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से आग्रह करते हुए उन्होंने आगे कहा कि अपने आसपास के परिवेश को साफ-सुथरा रखें, प्लास्टिक का उपयोग बंद करें एवं अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर की। महाप्रबंधक प्रभारी (लाइम-स्टोन) कैलाश मल्होत्रा ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वच्छ भारत की थीम पर नृत्य एवं नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। स्वच्छ भारत की थीम पर विद्यालय में रंगोली एवं चित्र प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया जिसका निरीक्षण मुख्य अतिथि एवं अन्य उपस्थित अधिकारियों द्वारा किया गया। उपरोक्त प्रतियोगिताओं के विजेताओं को कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया।

आम नागरिक प्रेक्षकों से कर सकते हैं भेंट

कोरबा। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत रामपुर और कोरबा विधानसभा हेतु प्रेक्षक प्रियतु मंडल से आम नागरिक प्रातः 9.30 बजे से 10.30 बजे तक कावेरी भवन गेस्ट हाउस, कटघोरा और पाली-तानाखार हेतु प्रेक्षक सी.के.जमातिया ., से आम नागरिकगण प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक एनटीपीसी कावेरी भवन गेस्ट हाउस में मिलकर निर्वाचन संबंधी शिकायत कर सकते हैं। व्यय आब्जर्वर ओ.एन. हरिप्रसाद राव और पुलिस आब्जर्वर सी.वेंकटा सुब्बा रेड्डी से सुबह 9.30 बजे से 10.30 बजे तक एनटीपीसी कावेरी भवन गेस्ट हाउस में शिकायत की जा सकती है।

चुनाव में होंगा 6 हजार से अधिक वाहनों का अधिग्रहण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। विधानसभा चुनाव के लिए जिले में 6 हजार से अधिक वाहनों के अधिग्रहण करने का लक्ष्य परिवहन विभाग को दिया गया है। इसमें बड़ी संख्या में यात्री बस, स्कूल बस, ट्रक और लग्जरी कार शामिल हैं। यात्री वाहनों के अधिग्रहण से आम यात्रियों को करीब एक हफ्ते तक परेशान होना पड़ेगा। दीपावली में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग शहरों के साथ ही पड़ोसी राज्यों मध्यप्रदेश, ओडिशा, बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र जाने की तैयारी कर रहे लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि इस रूट पर जाने वाली अधिकांश ट्रेनें पहले से रद्द हैं। ऐसे में यात्री वाहन ही एकमात्र विकल्प है। चुनाव आयोग के निर्देश पर सभी जिलों के आरटीओ द्वारा बस मालिकों, ट्रांसपोर्टरों और ट्रैवल्स संचालकों को मतदान के पांच दिन पहले वाहन उपलब्ध कराने नोटिस दिया गया है। निर्धारित समय पर वाहन नहीं देने और नोटिस की अवहेलना करने पर परमिट निरस्त कर ब्लैक लिस्टेड करने की चेतावनी दी गई है। मतदान के दौरान सेक्टर प्रभारियों के लिए कार की व्यवस्था करने के लिए निजी ट्रेवल्स संचालकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी को लक्ष्य दिया गया है। उन्हें चालक सहित नई लग्जरी कार किराये पर उपलब्ध कराने को कहा गया है। अतिरिक्त वाहनों की जरूरत पडने पर व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए हैं। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दोनों चरणों के मतदान के लिए ईवीएम और वीवीपैट मशीन को सुरक्षित गंतव्य पर भेजने के लिए शासकीय वाहनों का उपयोग किया जाएगा।

कलेक्टर डॉ. भुरे ने मंदिर हसौद उपार्जन केंद्र में धान खरीदी का किया शुभारंभ, केंद्र का किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने आज जिले के मंदिर हसौद स्थित उपार्जन केंद्र में धान खरीदी का पुजा अर्चना कर शुभारंभ किया। आज 01 नवम्बर से धान खरीदी की शुरुआत हुई है। डॉ. भुरे ने केंद्र में आए किसान गणेश राम बंजारे का स्वागत किया। श्री बंजारे ने केंद्र में 30 क्विंटल बेचा।

डॉ. भुरे ने संबंधित विभागिय अधिकारियों को केंद्र में बारदाना, धान को बारिश से बचाने के लिए कैप कवर, नमी मापने आद्रतामापी यंत्र क्रय कर केलिब्रेशन, उपार्जन

केंद्र में कर्मचारी एवं डाटा एंट्री आपरेटर की नियुक्ति, पर्याप्त संख्या में हमालों की संख्या, प्राथमिक उपचार एवं पंजीयन के लिए आने वाले किसानों हेतु पीने के पानी की व्यवस्था आदि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि है जिले के अन्य केंद्रों में भी धान खरीदी के लिए पुख्ता इतजाम किया जाए ताकि किसानों को तकलीफन हो। जिले में 139 धान उपार्जन केंद्र है।

गौरतलब है कि गतवर्ष जिले में 52 लाख क्विंटल धान खरीदा गया था। इस वर्ष 68 लाख क्विंटल खरीदने का लक्ष्य है।

इस अवसर पर आरंग एसडीएम अतुल विश्वकर्मा, उप पंजीयक आर के चन्द्रवंशी और कॉपरेटिव बैंक अधिकारी प्रभात मिश्र , सहायक खाद्य अधिकारी अरविंद दुबे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पूरी गंभीरता एवं सजगता के साथ लें प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। सामान्य प्रेक्षक श्री केशवेंद्र कुमार ने कहा कि निर्वाचन का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है इसलिए निर्वाचन कार्य में लगे सभी अधिकारी-कर्मचारियों के पूरी गंभीरता एवं सजगता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक है। प्रेक्षक श्री केशवेंद्र कुमार आज जिला पंचायत सभाकक्ष में विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के अंतर्गत मतदान सामग्रियों के वितरण एवं वापसी के कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारियों के प्रशिक्षण के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। श्री केशवेंद्र कुमार ने कहा कि निर्वाचन में लगे सभी अधिकारी-कर्मचारियों को अपने कार्यों एवं दायित्वों का समुचित जानकारी होनी चाहिए। जिससे की वे निर्बाध

रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुलदीप शर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चंद्रकांत कौशिक, अपर कलेक्टर श्री शशांक पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्री योगेंद्र श्रीवास सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

श्री केशवेंद्र कुमार ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को सकारात्मक माहौल में पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को मतदान सामग्रियों के वितरण एवं वापसी के समय मतदान दल के अधिकारियों के साथ मधुर एवं आत्मीय व्यवहार करने को कहा। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को बेहतरीन कार्यों के संपादन के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुलदीप शर्मा ने कहा कि सामग्री वितरण एवं वापसी के कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारियों का प्रशिक्षण निर्वाचन प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए अधिकारी-कर्मचारियों का प्रशिक्षण समुचित एवं सही तरीके से होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समुचित एवं सही तरीके से सामग्री वितरण पर ही मतदान की सफलता निर्भर करेगा। श्री शर्मा ने कहा कि वितरण एवं वापसी के कार्य में लगे अधिकारी-कर्मचारियों को सभी सामग्रियों के बारे में भलि-भाँति जानकारी होनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि की गुजांईश बिल्कुल भी नही होती। इसलिए निर्वाचन संबंधी सभी कार्य को विशेष सावधानी एवं पूरी सतर्कता के साथ किया जाना आवश्यक है। प्रशिक्षण में प्रशिक्षकों के द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों को मतदान सामग्रियों के वितरण एवं वापसी के विभिन्न प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

ब्रह्मचर्य से बढ़कर कोई तप नहीं: प्रवर प्रवीण ऋषि

रायपुर (ए)। उत्तराध्ययन श्रुतदेव आराधना के अष्टम दिवस बुधवार को उपाध्याय प्रवर ने कहा कि ब्रह्मचर्य की महिमा गाई जाती है, लेकिन आज का चिकित्सा विज्ञान भारतीय आध्यात्मिक शास्त्र को चुनौती देता है। उनके अनुसार ब्रह्मचर्य अस्वस्थता को, मानसिक व्याधियों को जन्म देता है। महावीर भी कहते हैं कि ब्रह्मचर्य बीमारियों को और पागलपन को जन्म दे सकता है। ब्रह्मचर्य किसी को बेकाबू भी कर सकता है। लेकिन मर्यादाओं के साथ ब्रह्मचर्य का पालन किया जाए हो व्यक्ति सिद्ध हो जात है। केवल जिनशासन ही है, जो केवल ब्रह्मचर्य की बात नहीं करता है, बल्कि उसके वातावरण की भी बात करता है। उक्ताशय की जानकारी रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने दी। उत्तराध्ययन श्रुतदेव आराधना के अष्टम दिवस लाभार्थित परिवार दुलीचंदजी भूरचंदजी कर्नावट परिवार तथा सहयोगी लाभार्थी परिवार अनिल कुमार संभव कुचेरिया परिवार ने श्रावकों का तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। उपाध्याय प्रवर ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मचर्य से बढ़कर कोई तप नहीं है। जिनशासन में ब्रह्मचर्य के लिए एक अनूठी देशना है, यहां ब्रह्मचर्य के लिए वातावरण की बात की गई है। ब्रह्मचर्य के लिए श्रुतदेव आराधना के सोलहवें अध्याय में महावीर 10 वातावरण की चर्चा करते हैं। जैसे गुस्सा नहीं करना है तो शांत वातावरण की आवश्यकता पड़ती है, वैसे ही ब्रह्मचर्य करना है तो उसे 10 तिजोरियों में रखना पड़ता है। ब्रह्मचर्य साध लिया तो सारी सिद्धियां प्राप्त हो जाती हैं। जिनशासन ने ब्रह्मचर्य का व्रत और उसकी व्यवस्था था वातावरण भी दिया है।

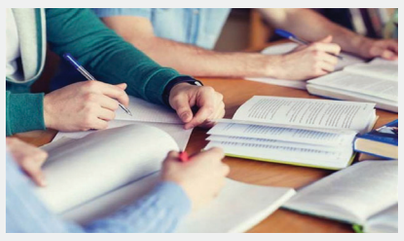

चुनावी शोरगुल से परीक्षा की तैयारी हो रही प्रभावित, परीक्षा के सीजन में कहीं डीजे तो लाउड स्पीकर के शोर से परीक्षार्थी परेशान

रायपुर (ए)। विधानसभा हो या लोकसभा चुनाव हो, यह लोकतंत्र का सबसे बड़ा राष्ट्रीय पर्व है। यह सरकार और शासन-प्रशासन की थीम तय करता है। आने वाले समय में हमको अच्छी सरकार मिले जागरूक नागरिक किसकी चिंता करते हुए योग्य प्रत्याशी के माध्यम से योग्य सरकार चुनते हैं, लेकिन महाविद्यालयीन परीक्षार्थियों के लिए फिलहाल चुनाव प्रचार परेशानी साबित हो रहा है।

दरअसल दो नवंबर से सीए इंटरमीडिएट की परीक्षा शहर में आयोजित हो रही है। इसके लिए शहर में कुछ महाविद्यालय में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसकी तैयारी में जुटे छात्र-छात्राओं को चुनाव प्रचार के दौरान जगह-जगह बजने वाले लाउडस्पीकर की वजह से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि वार्षिक परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों की समस्या को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने ध्वनि प्रदूषण पर प्रतिबंध लगाया है, लेकिन इन दिनों चुनाव प्रचार के वजह से लाउड स्पीकरों पर प्रतिबंध लागू नहीं हो रहा है। दिन भर होने वाले ध्वनि प्रदूषण से परीक्षार्थियों का ध्यान भंग हो रहा है। अब परीक्षार्थियों के सामने समस्या यह है कि वह इसकी शिकायत प्रशासन के किस अधिकारी से करें। एक ओर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशी और नेता चुनाव में जीत हासिल कर अपना राजनीतिक कैरियर बनाने में लगे हैं तो दूसरी ओर का जैसी अति महत्वपूर्ण परीक्षाओं में शामिल होने वाले परीक्षार्थी चुनावी शोरगुल से प्रभावित हो रहे हैं।

रेलवे का विशेष सफाई अभियान 3.0: 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलाया गया स्वच्छता अभियान

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीनों रेल मंडलों में चलाया गया अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी कार्यालयों में स्वच्छता और लंबित मामलों को कम करने के लिए 'विशेष अभियान 3.0' चलाया गया। अभियान की शुरुआत एक प्रारंभिक चरण से हुई, जिसे अभियान अवधि के दौरान प्राप्त किए जाने वाले उद्देश्यों की पहचान करने के उद्देश्य से 15 सितंबर 2023 को शुरू किया गया था। मुख्य अभियान 2 अक्टूबर, 2023 से शुरू हुआ और 31 अक्टूबर, 2023 तक जारी रहा । इस दौरान प्रत्येक विभाग और कार्यालय चयनित श्रेणियों में लंबित मामलों की पहचान की गई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय सहित तीनों रेल मंडलों बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर में चलाये गए स्पेशल कैंपेन 3.0 के अंतगत विशेष स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छ रेल, स्वच्छ रेल परिसर बनाने का संकल्प के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी स्टेशनों पर प्लेटफॉर्मों, कांकोर्स एरिया, सर्कुलेटिंग एरिया, एफओबी, रेलवे ट्रैक, स्टेशन यार्ड एरिया, शौचालयों आदि की गहन साफ-सफाई सुनिश्चित कराई गई। स्टेशन परिसर को संक्रमण मुक्त, साफ सुथरा बनाये रखने के लिए नियमित साफ-सफाई का काम किया गया। प्लेटफॉर्म, रेलवे ट्रैक, वेटिंग रूम, शौचालय, परिभ्रमण क्षेत्र, स्टाल, फुट ओवर ब्रिज एरिया तथा रेलवे कालोनी की नालियों को साफ-सुथरा और संक्रमण मुक्त रखने के लिए विशेष निगरानी की गई। साथ ही पुराना अनुपयोगी स्क्रैप का डिस्पोजल किया गया।

1372 मिलीयन टन स्क्रैप का डिस्पोजल

इस अभियान के तहत रिकार्ड मैनेजमेंट के अंतर्गत फाइलों की फिजिकली समीक्षा की गई इसके अंतर्गत लगभग शत-प्रतिशत फाइलों की समीक्षा की गई। उपयोग में नहीं 3497 फिजिकल फाइलों एवं 1889 ई-फाइलों का निपटारा किया गया। स्क्रैप का डिस्पोजल इसके अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 1372 मिलीयन टन स्क्रैप का डिस्पोजल किया गया तथा इससे लगभग 5.9 करोड़ रुपये का राजस्व का सृजन किया गया। इस सम्पूर्ण अभियान के दौरान 1668 कार्यालयों में व 2169 परिक्षेत्रों में साफ-सफाई एवं स्वच्छता सुनिश्चित की गई। स्टेशनों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया इसके अंतर्गत कुल 319 स्टेशनों पर कैंपेन कर साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया।

अभियान के लिए नोडल अफसरों की नियुक्ति

अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक शिकायतों का प्रभावी निपटान, संसद सदस्यों के संदर्भ, संसद के आश्वासन, स्वच्छता अभियान, स्क्रैप का निपटान, फाइलों की छंटाई और अन्य स्वच्छता संबंधी गतिविधियों पर आधारित थी। इस विशेष अभियान 3.0 को सफल बनाने के लिए जोनल मुख्यालय, प्रत्येक विभाग, मंडल, कार्यालयों में नोडल ऑफिसर नामित किये गए थे। विशेष अभियान 3.0 के लिए मंडलों और विभागों में स्वच्छता के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों और दूरवर्ती स्थानों की पहचान की गई और समीक्षा के लिए फाइलें और ई-फाइलों की पहचान की गई। साथ ही इस अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, रेलवे परिसरों, पटरियों, कारखानों, रेलवे कॉलोनियों आदि में स्वच्छता अभियान और कार्यालयों में लंबित मामलों का निपटान सुनिश्चित किया गया।

सोशल मीडिया पर भी चला अभियान

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय के कार्मिक, परिचालन, वाणिज्य, लेखा, संरक्षा, सुरक्षा, यांत्रिक, इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा चिकित्सा विभाग के अलावा बिलासपुर, रायपुर एवं नागपुर तीनों मंडलों एवं वर्कशॉप में पुराने अनुपयोगी फाइलों रद्दी का निपटारा किया गया। स्पेशल कैंपेन 3.0 के अंतर्गत स्वच्छता अभियान पर सोशल मीडिया के माध्यम से विशेषकर ट्विटर पर ट्वीट करके कैंपेन अभियान चलाया गया। यात्रियों से जन उद्घोषणा प्रणाली यानि पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से स्टेशन परिसर साफ सुथरा रखने में मदद की अपील की गई। साथ ही स्टेशन पर कचरे को निर्धारित डस्टबिन में डालने, प्लास्टिक वस्तुओं का उपयोग बन्द करने, स्टेशन की स्वच्छता बनाये रखने के लिए आमजन को जागरूक किया गया। अभियान 3.0 के अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे संरक्षित, सुरक्षित एवं सुगम ट्रेन परिचालन के साथ-साथ अपने सम्माननीय रेल यात्रियों के लिए स्टेशन परिसर एवं गाड़ियों में स्वच्छ, सुंदर एवं सुखद अनुभूतिपरक वातावरण मुहैया कराने के प्रति निरन्तर प्रयत्नशील रहा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

सेमिनार में विशेषज्ञों ने राष्ट्र के प्रति समर्पण व भ्रष्टाचार के विरोध का दिलाया संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के जोनल कान्फ्रेंस हाल में भ्रष्टाचार का विरोध करें, राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें विषय पर सेमिनार हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आलोक कुमार चक्रवाल रहे। कार्यक्रम में महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे आलोक कुमार भी उपस्थित रहे। सेमिनार में विशेषज्ञों ने राष्ट्र के प्रति समर्पण व भ्रष्टाचार के विरोध का संकल्प दिलाया।

पहले दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वरि.उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सतर्कता विभाग, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के क्रिया-कलापों से सभी

को अवगत कराया। सेमिनार में कुलपति डॉ. आलोक कुमार चक्रवाल ने कहा भ्रष्टाचार समाज में कलंक के समान है। भ्रष्टाचार चाहे कहीं भी हो उसका विरोध करें। सत्यनिष्ठा जीवन का अपरिहार्य अंग है, इस रास्ते पर चलने से मुश्किलें जरूर आती है, अगर हम उन मुसीबतों का सामना करके आगे बढ़ेंगे तो हम अपनी मंजिल तक जरूर पहुंचेंगे। हमारे दैनिक क्रियाकलाप में सत्यनिष्ठा हमारे राष्ट्र के प्रति समर्पण को भी दिखाता है।

सेमिनार में महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, आलोक कुमार ने अपने अभिभाषण में कहा कि भ्रष्टाचार के समूल नाश के लिए हम सभी को जागृत और एकजुट होना होगा। भ्रष्टाचार उस दीमक की तरह है जो किसी भी संगठन को तो खोखला करता ही है, वह सामाजिक और नैतिक मूल्यों पर भी बुरा प्रभाव डालता है। आगे उन्होंने सभी से जोर देते हुए कहा कि ईमानदारी और सत्यनिष्ठा का हमारी जिंदगी में हमारे विचारधारा में सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर सतर्कता बुलेटिन-2023 का विमोचन भी किया गया। सेमिनार में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय के सभी विभागों के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

विकास उपाध्याय ने लिया गौड़ ब्राह्मण समाज व साहू समाज का आशीर्वाद

पश्चिम विधानसभा में जारी है जनसंपर्क

रायपुर (ए)। रायपुर पश्चिम विधानसभा प्रत्याशी विकास उपाध्याय का जनसंपर्क अभियान जारी है। बुधवार को उन्होंने बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्रमांक 18 में आदर्श नगर, अंबेडकर नगर, जनता कॉलोनी, एकता नगर, अशोक नगर, बमलेश्वरी नगर, कोटा में ढीमरपारा, साहू पारा में जनसंपर्क और बैठक कर क्षेत्र वासियों का आशीर्वाद लिया। साथ ही गौड़ ब्राह्मण समाज रामसागर पारा और साहू समाज रामसागर बैठक में शामिल होकर समाज के वरिष्ठ जनों से मुलाकात कर हाल-चाल जाना।

इस जन वंदन यात्रा में जगह-

जगह विकास उपाध्याय का माता बहनों ने श्रीफल भेंटकर पुष्पवर्षा कर और तिलक लगाकर स्वागत किया। विकास उपाध्याय ने कहा कि निश्चित ही जिस प्रकार आज समाज में सामाजिक एकता दिख रही है यह समाज की एक नई दिशा बनाएगी और मैं समाज के इस आशीर्वाद का सदैव आभारी रहूंगा। इस अवसर में समस्त वार्ड के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ पदाधिकारी, कांग्रेस जन व क्षेत्रवासी शामिल हुए।

बस्तर के 100 से अधिक गांवों में पहली बार होगा मतदान

रायपुर (ए)। बस्तर के 100 से अधिक गांवों में पहली बार मतदान होगा। यहां मतदाता पहली बार अपने गांवों में ही मतदान करेंगे। यहां नक्सलियों का खौफ नहीं बल्कि लोकतंत्र की मशाल जलेगी। इससे पहले ग्रामीणों को 15 से 20 किमी दूर चलकर मतदान के लिए जाना होता था। चुनाव आयोग ने बस्तर क्षेत्र में 126 नए मतदान केंद्र बनाए हैं, वहीं संभाग में कुल 2,483 बूथों में मतदान प्रक्रिया संचालित की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक ज्यादा से ज्यादा मतदान के लिए गांवों के नजदीक ही केंद्र बनाया गया है। बस्तर क्षेत्र के कांकेर, अंतागढ़, भानुप्रतापुर, सुकमा, कोंटा, चित्रकोट, जगदलपुर, बस्तर, कोंडागांव आदि

विधानसभा क्षेत्रों में नए बूथों में मतदाताओं को अपने गांवों में पहली बार वोट डालने का अनुभव मिलेगा। नक्सली हिंसा व अन्य खतरों के बीच मतदान दलों व मतदाताओं के लिए भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। बस्तर क्षेत्र में एक लाख से अधिक जवान मोर्चे पर तैनात रहेंगे।

20 सीटों में 12 नक्सल प्रभावित सीट

पहले चरण की जिन 20 सीटों पर मतदान होना है, वहां की 12 सीटें अति संवेदनशील हैं। नक्सली हिंसा के बाद भी यहां रिकार्ड मतदान हुआ है। निर्वाचन कार्यालय ने अतिसंवेदनशील क्षेत्रों को अलग से चिन्हांकित किया है। कार्यालय के मुताबिक यहां ज्यादा से ज्यादा सुरक्षा बल तैनात किए जा रहे हैं।

गांव में लगता था नक्सलियों का कैंप, अब बना बूथ

100 से अधिक गांवों में से एक चांदामेटा गांव में आजादी के 75 साल बाद पहली बार मतदान होना है। चांदामेटा भी लोकतंत्र के इस महासमर का साक्षी बनेगा। गांव के 25 से अधिक ग्रामीण पिछले कुछ वर्षों से नक्सली सहयोग के आरोप में जेल में सजा काट रहे थे। इनमें 25 में से 16 ग्रामीणों को निर्दोष साबित होने पर रिहा किया गया है। अन्य ग्रामीणों के साथ ये भी पहली बार मतदान करेंगे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

रेड लहंगा-चोली पहन नेहा मलिक ने कातिलाना अदाओं से ढाया कहर

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक आए दिन अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का दिल मचल देती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हाल ही में नेहा मलिक ने अपना रिवीलिंग लहंगा पहनकर बेहद ही हॉट फोटज क्लिक करवाई हैं। इन तस्वीरों में उनके स्टाइलिश ब्लाउज ने सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

एक्ट्रेस नेहा मलिक का नाम भोजपुरी इंडस्ट्री की बोल्ड अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल है। उनकी हर एक सिजलिंग और हॉट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर सोशल मीडिया पर बीच तबाही मचा दी है। नेहा मलिक ने अपनी लेटेस्ट फोटोज क्लिक करवाते समय एक से बढ़कर एक किलर किलर पोज दिए हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नेहा मलिक कैमरे के सामने अपनी बलखाती हुई कमर फ्लॉन्ट करते हुए लोगों को अपना दीवाना बना रही हैं। अभिनेत्री ने चमचमाता हुआ रेड लहंगा पहना हुआ है और साथ ही डीपनेक ब्लाउज से अपने इस लुक को टीम अप किया है। सिर पर मांगटिका, माथे पर बिंदी, कानों मे झुकमें, गले में नेकलेस, खुले बाल और मिनिमल मेकअप करे के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस नेहा मलिक अपने चाहने वालों को हमेशा अपने लुक से मदहोश कर देती हैं। उनकी ये ही अंदाज इंटरनेट पर काफी ट्रेंड भी करता है।

खाने की इन 5 चीजों को फ्रिज में रखने से बचें, हो सकता है नुकसान

हम सभी लोग रोजाना इस्तेमाल में आने वाले खान-पान की चीजों को फ्रिज में रख देते हैं ताकि वे लंबे समय तक सुरक्षित रहें। हालांकि, ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ हैं, जिन्हें फ्रिज की बजाय बाहर ही रखना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि फ्रिज के ठंडे तापमान के कारण उनकी गुणवत्ता जल्दी खराब हो जाती है। चलिए फिर आज हम आपको ऐसी 5 चीजों के बारे में बताते हैं, जिन्हें आपको फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।

टमाटर

टमाटर एक ऐसा फल है, जिसमें एंजाइम होता है। ऐसे में इसे ठंडे तापमान में करने की वजह से यह दिखने में ढीले और नरम और स्वाद में बेकार हो जाते हैं। इसके अलावा ठंडे तापमान से टमाटर की स्वाद पैदा करने वाली कोशिकाएं भी टूट जाती है। इसके कारण टमाटर की बनावट खराब हो जाती है और ये कम स्वादिष्ट हो जाते हैं।घर पर टमाटर से बने इन स्वादिष्ट व्यंजनों की रेसिपी आजमाएं।

एवोकाडो

बहुत से लोग एवोकाडो को भी फ्रिज में रख देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। दरअसल, एवोकाडो को फ्रिज में रखने से उनकी पकने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है इसलिए ये इस्तेमाल करने योग्य नहीं रह जाते हैं। इसके अलावा ठंडे तापमान से एवोकाडो की बनावट भी बिगड़ जाती है, जिससे ये जल्दी सड़ सकते हैं। इन समस्याओं से बचाव के लिए एवोकाडो को प्राकृतिक रूप से पकने दें। इससे उनकी गुणवत्ता और स्वाद, दोनों बरकरार रहेंगे।

ब्रेड

अमूमन लोगों के फ्रिज में आपको ब्रेड रखी मिल ही जाएगी, लेकिन ये गलत है। आपको फ्रिज में ब्रेड नहीं रखनी चाहिए। विशेषज्ञों के मुताबिक, फ्रिज में ठंडे तापमान के कारण ब्रेड में मौजूद स्टार्च अशुद्ध हो सकता है। इस वजह से ब्रेड की नमी खत्म हो जाती है और इसकी गुणवत्ता खराब हो जाती है। हालांकि, इसके बावजूद आप इस ब्रेड का सेवन कर सकते हैं, लेकिन फ्रिज में रखने से इसके खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

आलू

बहुत से लोग आलू को खराब होने से बचाने के लिए उन्हें फ्रिज में रख देते हैं। हालांकि, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि फ्रिज में रखे आलू से बने व्यंजनों को खाने से आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। दरअसल, फ्रिज में ठंडे तापमान के कारण आलू में चीनी की मात्रा बढ़ सकती है।ऐसे में आलू को तलने या भूनने पर उनमें कार्सिनोजेन नामक पदार्थ पैदा हो सकता है। यह पदार्थ कैंसर पैदा करने में सक्षम है।

खरबूज और तरबूज

बहुत से लोग खरबूज और तरबूज को काटकर फ्रिज में रख देते हैं और फिर ठंडा हो जाने के बाद इनका सेवन करते हैं। हालांकि, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए क्योंकि इन्हें फ्रिज में रखने की वजह से ये अपना रंग और स्वाद खो देते हैं। इसके कारण इनकी शेल्फ लाइफ में कमी आ जाती और गुणवत्ता भी खराब हो जाती है। यही कारण है कि सुपरमार्केट में भी खरबूज और तरबूज को फ्रिज में नहीं रखा जाता है।

कई औषधीय गुणों से भरपूर होती है शल्लकी, यह है इसके 5 प्रमुख फायदे

आयुर्वेद की प्राचीन चिकित्सा प्रणाली में कई जड़ी-बूटियों शामिल हैं। इनमें से एक शल्लकी भी है, जिसे लोबान के नाम से भी जाना जाता है।यह एक तरह का गोंद होता है, जिसे पेड़ की छाल से बनाया जाता है। इसमें कई औषधीय गुण होते हैं, जिसकी वजह से सदियों से इसका इस्तेमाल बीमारियों के इलाज के लिए होता आ रहा है। आइये आज स्वास्थ्य टिप्स में शल्लकी के 5 जबरदस्त फायदे जानते हैं।

पेट के लिए है फायदेमंद

शल्लकी का इस्तेमाल क्रोहन रोग, अल्सरेटिव कोलाइटिस और आईबीएस जैसे आंतों से संबंधित सभी समस्याओं के इलाज के लिए किया जा सकता है।यह एंटी-डायरिया गुण से भरपूर होता है, जो पाचन क्षेत्र में होने वाली सूजन का इलाज करने में मदद करता है। इससे आपको कब्ज और मलाशय से रक्तस्राव से मुक्त होने में मदद मिलती है।हालांकि, इसके इस्तेमाल से पहले आपको आयुर्वेदिक डॉक्टर से जांच जरूर करवानी चाहिए।

लीवर के स्वास्थ्य में करें सुधार

अगर आपको लीवर से संबंधित कोई समस्या है, तो आपको अपने दैनिक आहार में शल्लकी को जरूर शामिल करना चाहिए।दरअसल, इसमें मौजूद एक्रियस और हाइड्रोअल्कोहलिक अर्क खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में और अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में मदद करते हैं। इससे लीवर की कार्यक्षमता को सुधारने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह लीवर में एंटी-ऑक्सीडेंट संतुलन को बनाए रखने में भी मदद करता है।

अस्थमा के रोगियों के लिए है उपयोगी

आयुर्वेद के अनुसार, अस्थमा से पीड़ित लोगों को शल्लकी का सेवन करना चाहिए क्योंकि यह फेफड़ों में वात और कफ दोष को संतुलित करता है। ये दोष, जब फेफड़ों में असंतुलित हो जाते हैं तो सांस फूलने की दिक्कत हो जाती है और यह वायुमार्ग में रुकावट भी पैदा कर सकते हैं। छाती में जमाव को खत्म करने और अस्थमा से राहत के लिए आप शल्लकी का पाउडर, टैबलेट या कैप्सूल का सेवन कर सकते हैं।

हड्डियों के दर्द से राहत दिलाने में है कारगर

अगर आपके जोड़ों या हड्डियों में दर्द है तो आप शल्लकी का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक शोध के मुताबिक, इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाये जाते हैं। ये शरीर में दर्द, पुरानी सूजन, गठिया आदि जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मददगार है।लाभ के लिए आप शल्लकी पाउडर को नारियल के तेल की कुछ बूंदों के साथ मिलाएं और इसे प्रभावित जोड़ों पर लगाएं।जोड़ों के दर्द से राहत के लिए इन तरीकों को भी अपनाएं।

घाव भरने में भी करेगा मदद

अगर आपको चोट लगी है और आपका घाव भर नहीं रहा है तो इसके लिए आप शल्लकी का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह घाव को जल्दी भरने में मदद कर सकता है।लाभ के लिए अपने घाव पर एक रेशम का पतला-सा कपड़ा रखें। इसके बाद ऊपर से शल्लकी का पाउडर छिड़ककर इस पर पट्टी बांध लें। इससे घाव जल्द ही भरने लगेगा।नए जूते पहनने से पैर में घाव होने पर इन घरेलू नुस्खों को अपनाएं।

बिग बॉस 17 के घर से बाहर हुई सोनिया बंसल

एक्ट्रेस सोनिया बंसल बिग बॉस सीजन 17 के घर से बाहर होने वाली पहली कंटेस्टेंट बन गई हैं। और उन्होंने कहा कि वह वाइल्डकार्ड एंट्री के रूप में वापस आना चाहती है, क्योंकि कई चीजें हैं जो पीछे रह गई हैं, और वह और ज्यादा खेलना चाहती है। शो के मेगास्टार और होस्ट सलमान खान ने घर में हो रही लड़ाइयों पर घरवालों को समझाया और फिर एविक्शन को लेकर चर्चा की। नॉमिनेटेड कंटेस्टेंट्स में सनी आर्य, सोनिया, ऐश्वर्या शर्मा, नील भट्ट और सना रईस खान शामिल थे।

दबंग होस्ट ने पब्लिक के वोटों के रिजल्ट का खुलासा किया और बताया कि सना और सोनिया को सबसे कम वोट मिले हैं। इन दोनों का भाग्य अधर में लटक गया, और यह तय करना घर के सदस्यों पर छोड़ दिया गया कि बिग बॉस के मोहल्ले में कौन रहेगा और कौन बाहर निकलने वाला पहला शख्स होगा। घर के सदस्यों से मिले कम वोटों के कारण, सोनिया बंसल का यह सफर खत्म हो गया। सोनिया, दोस्तों से धोखा खाने और बायस्ड सीजन की पहली शिकार हुई।

घर के सदस्यों के अपर्याप्त वोटों के कारण, सोनिया के लिए यह रास्ता खत्म हो गया, जिससे वह अपने तथाकथित दोस्तों से धोखा खाने के बाद पक्षपात के सीज़न की पहली शिकार बन गई। शो में अपनी दो सप्ताह की लंबी यात्रा के दौरान, सोनिया ने अपने डांस मूव्स और ग्लैमरस से दर्शकों का एंटरटेन किया। उन्होंने फिरोजा खान उर्फ खानजादी, ऐश्वर्या शर्मा, नील, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, ईशा मालविया और अभिषेक पांडे से दोस्ती की। अपने एविक्शन पर सोनिया ने कहा, मैं जाहिर तौर पर वाइल्डकार्ड के रूप में वापस आना चाहूंगी। मैं और खेलना चाहती हूं, कई चीजें पीछे छूट गई हैं और मैं इस बात से काफी दुखी हूं। एक कंटेस्टेंट के रूप में मन्नारा के बारे में बात करते हुए, सोनिया ने कहा, वह लोगों को अपना दोस्त बनाती है, फिर उनसे बातें कहती है और उनके साथ मिसबिहेव करती है। मुझे लगता है कि फुटेज के लिए यह सब उनका प्लान है।

सोनिया ने अंकिता और विक्की के बार में बात करते हुए कहा- मैं विक्की के करीब नहीं थी। मैं अंकिता के थोड़ी करीब थी। उनकी निजी जिंदगी में सबकुछ ठीक है। समय की वजह से थोड़ी गलतफहमी हो गई है। विक्की दूसरों को तो समय दे रहे हैं, लेकिन अंकिता को ठीक से समय नहीं दे पा रहे हैं। सोनिया ने कहा कि अब वह अपनी आगामी फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रही हैं।

सभी घरवाले सोनिया के स्किल्स के बारे में प्रशंसा कर रहे हैं। उनके शो छोड़ने के विचार मात्र से ही वे चिंतित हो गए हैं कि रसोई का काम कौन संभालेगा। यह शो कलर्स और जियोसिनेमा पर प्रसारित होता है।

ऋतिक रोशन को पसंद आ गई कृष-4 की स्क्रिप्ट, अगले साल शुरू होगी शूटिंग

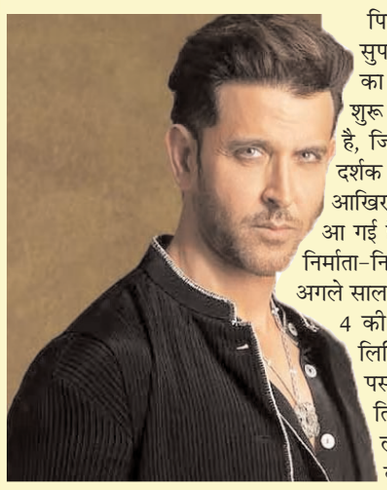

पिछले लंबे समय से दर्शक ऋतिक रोशन की सुपरहीरो फ्रैंचाइजी कृष की अगली यानी चौथी किस्त का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अभी तक इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो पाई है। अब एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसे सुन कृष 4 का बेसब्री से इंतजार कर रहे दर्शक झूम उठेंगे। ताजा जानकारी के अनुसार, आखिरकार ऋतिक को कृष 4 की स्क्रिप्ट पसंद आ गई है, जिसे अभिनेता के पिता और फिल्म के निर्माता-निर्देशक राकेश रोशन ने लिखा है। ऋतिक अगले साल फरवरी के अंत या मार्च की शुरुआत में कृष 4 की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। पिता राकेश द्वारा लिखित इस फिल्म की कहानी ऋतिक को पसंद आ गई है। एक सूत्र ने बताया, ऋतिक ने फाइटर की शूटिंग खत्म कर ली है और अब उनका पूरा ध्यान कृष 4 पर है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

हमने देश बनाने का काम किया, भाजपा बताए उसने क्या किया - मल्लिकार्जुन खड़गे

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा/रायपुर। मैं आपसे सिर्फवोट मांगने ही नहीं आया हूं, हमें चुनाव जीतना है, लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी संविधान को बचाना है और समाज को बचाना है। यह बात आज सुकमा में हुई जनसभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खरगे ने कही। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में जो वादे किए थे, चाहे वो एमएसपी बढ़ाने का हो या राजीव गांधी न्याय योजना के तहत किसानों के खातों में पैसे पहुंचाने का हो उसे पूरा किया है।

भाजपा के शासन काल में अमीर और अमीर हो रहा है, गरीब और गरीब होता गया। लेकिन कांग्रेस ने आम लोगों के लिए काम किया है, इसलिए हम आप से वोट मांग रहे हैं। कांग्रेस के लोगों ने देश के लिए अपनी जान दी है। नेहरू-गांधी के उसूलों पर चलकर देश को आजाद कराया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों ने देश के लिए कुछ नहीं किया और बार-बार सवाल पूछते हैं कि कांग्रेस ने 70 साल में क्या किया। एक समय देश में स्कूल नहीं थे, हास्पिटल नहीं थे, बैंक नहीं थे, व्यापार नहीं था। देश को बनाने का काम कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस ने मनरेगा जैसी योजना देने का काम किया है। हमने खाद्य सुरक्षा कानून बनाया। नेहरू जी और डॉ अंबेडकर ने मिलकर संविधान बनाया, जिसमें सबको वोट देने का अधिकार दिया।

जल, जंगल और जमीन आदिवासियों की

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खरगे ने कहा कि हम जल, जंगल और जमीन के अधिकार को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। हम आदिवासियों की लड़ाई लड़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जल, जंगल और जमीन का अधिकार आदिवासियों को देने का काम किया है। कांग्रेस जीवन को बचाने के अधिकारों के लिए लड़ रही है। आदिवासी मूल निवासी हैं। जल, जंगल और जमीन आदिवासियों की है। कांग्रेस इसे बचाना चाहती हैं। बीजेपी इसे बेचना चाहते हैं। हम आपको आपका अधिकार देने के लिए आए हैं।

सच बीजेपी को हजम नहीं होता

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खरगे ने कहा कि मोदी जी ने 15 लाख रुपये देने का वादा किया था, हर साल दो करोड़ नौकरियों का वादा किया था लेकिन इसमें से एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। वह गुजरात के मुख्यमंत्री रहे लेकिन वहां भी गरीबी दूर नहीं कर पाए। हम जब उन्हें झूठा बोलते हैं तो इसमें गलत क्या है। कांग्रेस सच बोलती है और यह बात बीजेपी के लोगों को हजम नहीं होती। मोदी ने कहा कि लोग उन्हें गलियां देते हैं। वह अगर देश के लिए करेंगे तो लोग उन्हें गालियां नहीं देंगे।

मोदी जी चश्मा उतार कर देखें छत्तीसगढ़ का विकास

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खरगे ने कहा कि बीजेपी नेताओं के पास कांग्रेस नेताओं को गाली देने के अलावा कोई काम नहीं। वह लोग ऐसा माहौल बनाते हैं कि 2014 के बाद ही सारे काम हुए हैं। तेंदूपत्ता का दाम हमने बढ़ाया, वन अधिकार पट्टा पूरे देश में सबसे अधिक हमने दिया, धान का सबसे ज्यादा दाम हमने दिया, बिजली की व्यवस्था की, क्या जो स्कूल छत्तीसगढ़ में खुले हैं, वह सब मोदी जी ने खोले हैं। नड्डा जी और मोदी जी चश्मा उतारकर देखें तब उन्हें छत्तीसगढ़ का विकास दिखाई देगा।

कांग्रेस जो कहती है उसे पूरा करती है

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खरगे कहा कि कांग्रेस ने सभी वादे पूरे किए हैं। इस बार भी 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, सिलेंडर पर 500 रुपये की सब्सिडी, केजी से पीजी तक नि:शुल्क शिक्षा समेत अन्य घोषणाएं की हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो कहती है उसे पूरा करके दिखाती है।

भाजपा राज में सड़क पर महुआ फेंकने को मजबूर थे आदिवासी - भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

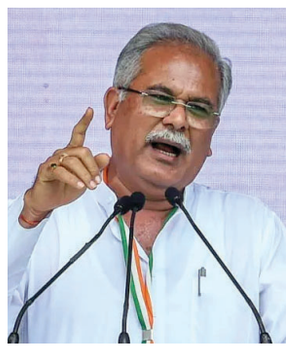

सुकमा/रायपुर। सुकमा की जनसभा में भाजपा पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक दौर वो भी था जब भाजपा की सरकार थी और उन्होंने महुआ की खरीदी बंद कर दी, जिससे इतिहास में पहली बार आदिवासियों को महुआ को सड़क पर फेंकना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में आदिवासी सताये गए और उन्हें ठगा गया।

विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि डॉ रमन सिंह ने हमेशा झूठ बोला है, उन्होंने प्रदेश के किसानों से धान का एक-एक दाना खरीदने, 2100 समर्थन मूल्य का दाम देने, आदिवासियों को जर्सी गाय देने, प्रत्येक आदिवासी परिवार को सरकारी नौकरी देने समेत कई वादे जनता से किए थे जिसे कभी पूरा नहीं किया।

चुनावी जनसभा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने फिर एक बार पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह को कमीशनखोर बताते हुए आरोपों की झड़ी लगा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ रमन सिंह कमीशनखोरी किए, चप्पल, मोबाइल और टिफिन बांटने में कमीशन खाया और भ्रष्टाचार किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार के दौरान नक्सल हमलों और सुरक्षा चूक के कारण हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आज से 5 बरस पहले तक किसी काम से सुकमा आना पड़ता था तो 10 बार सोचना पड़ता था, खौफ ऐसा था कि हम जिस रास्ते से आते थे उस रास्ते से वापस नहीं जाते थे।

मुख्यमंत्री ने झीरम घाटी प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि जिस झीरम घाटी में हमारे नेताओं की शहादत हुई थी आज वहां रात के 10 बजे-12 बजे तक आ-जा सकते हैं।

खास खबर

लियो क्लब समर्पण में विद्यार्थियों के द्वारा पुस्तक पाठन का आयोजन

भिलाई। लियो क्लब समर्पण श्री शंकराचार्य महाविद्यालय एवं लायंस क्लब पिनेकल के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालय के ग्रंथालय में पुस्तक पाठन का आयोजन किया गया जिसमें गौतम बुद्ध की प्रेरणा दायक कहानियां पढ़ी गई गौतम बुद्ध की प्रेरणादायक कहानियों में से एक कहानी महात्मा बुद्ध और किसान की समस्या की थी जो भूपेंद्र वर्मा के द्वारा 29 दिसंबर 2021 को लिखी गई यह कहानी इस प्रकार है इस कहानी में किसान बहुत दुखी था वह अपने जीवन में बहुत दुखी हुआ करता था उसे किस को किसी व्यक्ति ने महात्मा बुद्ध के पास जाने को कहां वह किस उसे महात्मा बुद्ध के पास जाकर अपनी सारी समस्याओं सको बताया तब गौतम बुद्ध बोले मैं तुम्हारी किसी तरह से भी मदद नहीं कर सकता किसान ने कहा कि आप मेरी मदद क्यों नहीं कर सकते तो महात्मा बुद्ध किसान से कहते हैं कि आपके जीवन में जितनी कठिनाइयां हैं उतनी हर किसी के जीवन में होती है और सबको अपनी छोटी समस्याएं भी बड़ी लगती है सभी का जीवन ऐसी समस्याओं से गिरा हुआ है जिसका कोई समाधान नहीं है जीवन में सुख और दुख आकर ही रहेंगे उसे कोई नहीं बदल सकता बस तुम्हें दोनों ही स्थिति में खुद को काबू में रखना होगा तभी तुम हर समस्याओं का आसानी से सामना कर पाओगे वह महात्मा बुद्ध की बातों को समझ गया कि महात्मा बुद्ध उनसे क्या कहना चाहते हैं लियो क्लब समर्पण के सदस्य एवं अध्यक्ष के द्वारा महात्मा बुद्ध और किसान की कहानी को पाठन किया।

श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी, भिलाई द्वारा जयंती स्टेडियम में इको फ्रेंडली पतंग समारोह का आयोजन

भिलाई। चुनाव निर्वाचन कार्यालय दुर्ग के निर्देशानुशार श्री शंकराचार्य महाविद्यालय जुनवानी, भिलाई द्वारा दिनांक 31/10/2023 को जयंती स्टेडियम में इको फ्रेंडली पतंग समारोह का आयोजन किया गया, जिसमे पतंग के माध्यम से लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की स्वीप टीम एवं विधार्थियों द्वारा 40 मतदान संबंधी स्लोगन लिखित इको फ्रेंडली पतंग उड़ाकर जयंती स्टेडियम एवं उसके आप-पास के लोगों को जागरुक करने का प्रयास किया गया। साथ ही सभी से अपील की गयी कि 17 नवंबर को सभी मतदान करने जरूर जाए तथा एक सही सरकार चुन कर देश के लोकतंत्र के विकास मे योगदान दे। जयंती स्टेडियम मे आयोजित इस पतंग समारोह मे अमित घोष , श्रीमति पुष्पा पुरुषोत्तम तनवीर अकिल एवं स्कूल शिक्षा के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्चना झा, डीन (अकादमिक) डॉ. जे. दुर्गा प्रसाद राव, आई.क्यू.ए.सी. संयोजक डॉ. राहुल मेने, स्वीप नोडल अधिकारी ठाकुर देवराज सिंह एवं डॉ. आशीष नाथ सिंह, डॉ. वी. के. सिंह, डॉ. प्रीति श्रीवास्तव, डॉ. कृष्ण जिबोन मंडल, अनिल मेनन, डॉ. महेंद्र शर्मा, डॉ. लक्ष्मी वर्मा, उज्जवला भोंसले, हर्षा सिंह बैस, प्रवीण वर्मा, राजकिशोर पटेल, अनन्या मालेकर, लावंजिका, जिज्ञासा, पीकेश आदि के सहयोग से संपन्न हुआ।

बौद्ध भिक्षु भंते बुद्धरत्न ने देहदान की घोषणा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महामानव मल्टीपर्पस सोसायटी के माध्यम से बौद्ध भिक्षु भंते बुद्धरत्न जी ने देहदान किये जाने का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। महामानव संस्था के अध्यक्ष आशीष चौहान व प्रभारी डॉ. संजय वालवांद्रे, शैलेन्द्र भगत, प्रवीण वासनिक, पुलकित चौहान, अविनाश गांवडे,नुपूर गनवीर, सुषमा रोकड़े की काउंसिलिंग के माध्यम से डा.आंबेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर -6 भिलाई में महामानव संस्था के समस्त पदाधिकारियों को एम्स रायपुर में देहदान करने कि वसीयत सौंपी। साथ ही भंते बुद्धरत्न से प्रेरित होकर संध्या खोबरागड़े व योगराज साखरे ने भी देहदान करने कि घोषणा की। इस अवसर पर महामानव मल्टीपर्पस सोसायटी कि और से भंते बुद्धरत्न जी को डॉ आंबेडकर सांस्कृतिक भवन सेक्टर -6 भिलाई कि अध्यक्षा सविता मेश्राम व महासचिव रामाराव ढोक जी, प्रीतेश पाटील, मीना नारनवरे, रंजना वालवांद्रे,कमल मेश्राम, नंदा चौहान द्वारा सम्मानित किया गया। जानकारी संस्था के अध्यक्ष आशीष चौहान द्वारा दी गई।

मतदाता जागरूकता के लिए इस्पात नगरी में साइकल रैली का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत, 01 नवम्बर 2023 को इस्पात नगरी, भिलाई में मतदाताओं को जागरूक करने हेतु एक साइकल रैली का आयोजन किया गया था। यह रैली सिविक सेंटर स्थित कलामंदिर से प्रारंभ होकर सेक्टर-9 अस्पताल में समाप्त हुई।

इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त, रोहित व्यास, एसडीएम, दुर्ग जागेश्वर कौशल, भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक समीर स्वरुप, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर, मुख्य महाप्रबंधक जे वाय सपकाले सहित संयंत्र के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलामंदिर परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष इस रैली को नगर निगम आयुक्त, रोहित व्यास ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर श्री रोहित व्यास और एसडीएम, दुर्ग श्री जागेष्वर कौषल सहित सभी विषेष अतिथियों ने सेल्फी पाइंट के समक्ष जाकर सेल्फी ली।

इस अवसर पर रोहित व्यास ने उपस्थित नागरिकों और रैली में भाग लेने वाले सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सहित 5 राज्यों ने चुनावों की प्रक्रिया जारी है। हमारे जिले दुर्ग में 17 नवंबर को मतदान किया जाना है। मैं सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि राष्ट्र और प्रदेष को अच्छी सरकार देने के लिए अधिक से अधिक संख्या में अपने मतों का उपयोग करें। आपके मत, मूल्यवान है। हम सभी का दायित्व बनता है कि लोकतंत्र के इस महाआयोजन में अपने वोट का उपयोग करें। उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा मतदाता जागरूकता के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और इस्पात नगरी के नागरिकों को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की सलाह दी। इस रैली में इस्पात नगरी के नागरिक, भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारी व कार्मिक और बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। दुर्ग जिले में अधिक संख्या में वोटिंग को सुनिष्चित करने के लिए राज्य शासन, नगर निगम और भिलाई इस्पात संयंत्र मिलकर मतदाता जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इसी कड़ी में 31 अक्टूबर को मानव संसाधन विकास केन्द्र के समक्ष से एक रन फॉर वोट रैली का आयोजन किया गया था और 01 नवम्बर को कला मंदिर से सायकल रैली का आयोजन किया गया।

भिलाई इस्पात संयंत्र के कई विभागों ने अक्टूबर माह 2023 में रचे कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए, अपने निरंतर प्रयासों से उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ मासिक और अब तक का सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हासिल की है। कीर्तिमानों की इस श्रृंखला में, सर्वश्रेष्ठ डिस्पैच का रिकॉर्ड दर्ज किया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता ने माह के प्रथम दिन 1 नवम्बर 2023 को संयंत्र परिसर में उपलब्धि हासिल करने वाले विभागों आरएमपी-3, कोक ओवन, एसपी-3 यूआरएम, बीआरएम तथा प्लेट मिल में जाकर, कार्मिकों एवं अधिकारियों को बधाई दी और संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने बेहतर परिणाम दिए हैं और मैं उम्मीद करता हूं कि इस उपलब्धि के क्रम को आप सभी आगे भी बनाये रखेंगे।

इसके साथ ही संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) असित साहा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ उपलब्धि हासिल करने वाले विभागों के कार्मिकों एवं अधिकारियों को बधाई दी। टीम वर्क और समर्पण को सफलता का श्रेय देते हुए श्री अंजनी कुमार ने कहा कि कार्यक्षेत्र में संसाधनों के बेहतर उपयोग व सुरक्षा मानकों के अनुपालन से ही यह उपलब्धियां संभव हो रही हैं।

सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन

संयंत्र के सिंटर प्लांट, बीआरएम और बार एवं वायर रॉड उत्पादन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन कीर्तिमान बनाया है। इसके साथ ही संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग, ब्लास्ट फर्नेस कोक, आरएमपी-3 से लाइम उत्पादन, एसएमएस-3 से कास्ट स्टील व बिलेट उत्पादन, हॉट मेटल, कुल क्रूड स्टील उत्पादन, कुल फिनिश्ड स्टील उत्पादन, कुल सेलेबल स्टील के उत्पादन के साथ ही प्लेट मिल में कुल फिनिश प्लेटों और हाई टेंसाइल प्लेटों के साथ रेल मिल से लंबी रेलों के उत्पादन व इस्पात उत्पादों के निर्गमन में सर्वश्रेष्ठ अक्टूबर माह 2023 का कीर्तिमान दर्ज किया है।

सिंटर: संयंत्र के सिंटर प्लांट ने कुल सिंटर का उत्पादन अक्टूबर 2023 में 7,64,829 टन दर्ज किया गया है, जोकि मार्च 2023 में 7,59,729 टन दर्ज किया गया था। बार एवं रॉड मिल: संयंत्र के बार एवं रॉड मिल ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन करते हुए 1 लाख टन उत्पादन की सीमा को पार किया है, जो उसकी मापित उत्पादन क्षमता से 135 प्रतिशत रहा है। मिल ने अक्टूबर 2023 में 1,01,111 टन का रिकॉर्ड दर्ज किया है, जबकि मार्च 2023 में यह रिकॉर्ड 91,119 टन दर्ज किया गया था।

मर्चेंट मिल: संयंत्र के मर्चेंट मिल ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ मासिक निर्गमन दर्ज किया है। मर्चेंट मिल की टीम ने जून 2023 में 65,327 टन के निर्गमन को पार करते हुए अक्टूबर 2023 में 66,689 टन का निर्गमन किया है। टीएमटी (बार एवं वायर रॉड): संयंत्र के टीएमटी (बार एवं वायर रॉड) का अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन अक्टूबर 2023 में 1,63,621 टन का रहा, जबकि मार्च 2023 में यह रिकॉर्ड 1,53,587 टन दर्ज किया गया था। हॉट मेटल: हॉट मेटल का अक्टूबर माह 2023 में कुल उत्पादन 5,00,242 टन दर्ज किया गया, जोकि अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ अक्टूबर माह 2010 में बनाये गए 4,94,030 टन के रिकॉर्ड को पार कर गया है।

क्रूड स्टील: क्रूड स्टील का अक्टूबर माह 2023 में कुल उत्पादन 4,81,598 टन दर्ज किया गया, जबकि पिछला सर्वश्रेष्ठ 4,62,825 टन दर्ज किया गया था, जो अक्टूबर माह 2009 में बनाया गया था।

मिशन इंद्रधनुष तीसरे चरण को सफल बनाने जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। एकीकृत बाल विकास परियोजना (आईसीडीएस) कटघोरा विकासखण्ड मिशन इंद्रधनुष संपूर्ण टीकाकरण की तीसरे चरण को सफल बनाने के लिए आंगनबाड़ी कर्मचारी के साथ ही यूनिसेफ एवं वी द पीपल फाउंडेशन के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मिशन इंद्रधनुष संपूर्ण टीकाकरण की तीसरे चरण को सफल बनाने के लिए आईसीडीएस विभाग के जेजरा सेक्टर के सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सुपरवाईजर द्वारा सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में रंगोलियाँ बनाई गई, दिवारो पर टीकाकरण के महत्व को बताने वाले संदेश स्लोगन लिखे गए, टीकाकरण के संदेश और नारे लिख कर पोस्टर के माध्यम से भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा सघन मिशन इंद्रधनुष 5.0 को सफल बनाने हेतु एक अच्छा सफल प्रयास किया गया. इस कार्यक्रम में स्मिता बंजारे,जेजरा सेक्टर की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता यें एवं यूनिसेफ कि तरफ से जिला सलाहकार प्रथमेश मानेकर ने आवश्यक रूपरेखा तैयार कर सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम में यूनिसेफ एवं छत्तीसगढ़ वी द पिपल फाउंडेशन का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

जंगल में जुआरियों के फड़ पर पुलिस की दबिश, 30 हजार रुपए जब्त

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर कोटा क्षेत्र के कोरी डेम से लगे लालपुर के जंगल में जुआरियों के फड़ पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई की है। पुलिस ने मौके से पांच जुआरियों को गिरफ्तार किया है। इसमें दूसरे कोटा समेत आसपास के जुआरी शामिल हैं।

जुआरियों के कब्जे से 30 हजार रुपये जब्त किया गया है। कोटा पुलिस को सूचना मिली कि कोरी डेम से लगे लालपुर के जंगल में जुआरियों की भीड़ लगी है। इस पर थाना प्रभारी टीपी नवरंग ने जवानों को कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस की टीम जंगल में जुआरियों के फड़ तक पहुंच गई। जवानों को देखते ही जुआरियों में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस से बचने के लिए जुआरी जंगल में भागने लगे। कई जुआरी भागने में कामयाब हो गए। वहीं, पुलिस ने हरीश उर्फ गोलू ठाकुर(47), विनोद श्रीवास उर्फ बिल्लू (42) अनिकेत रजक (24) तीनों निवासी कोटा, मुकेश चंद्राकर(38) ग्राम कोड़ापुरी थाना कुंडा जिला कवर्धा, मो. आहिल निवासी चिल्हाटी थाना सरकंडा को पकड़ लिया। जुआरियों के कब्जे से 30 हजार 100 रुपये जब्त कर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

करवाचौथ के दिन नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोरबा (ए)। करवां चौथ के दिन नवविवाहिता ने घर के म्यार में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जांच के दौरान पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला। जिसमें कहा गया है कि मैं अपनी मर्जी से फांसी लगा रही हूं। मेरे पति को परेशान मत कीजिएगा। हरदीबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़पार बस्ती निवासी मनोज रात्रे ने दीपका निवासी अंजली रात्रे लगभग डेढ साल पहले प्रेम विवाह किया था। दोनों की एक बेटी भी है। बताया जा रहा है कि बुधवार को दोपहर में सास-ससुर अपने खेत गए थे और पति काम पर गया था, वहीं बच्ची घर पर खेल रही है। तभी अंजली ने सुसाइड नोट लिख घर के म्यांर में फांसी के फंदे बना लटक गई। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जब स्वजन घर लौटे, तब उन्हें अंजली की लाश फांसी पर लटकते हुई मिली। घटना की सूचना मिलने पर हरदीबाजार थाना प्रभारी नितिन उपाध्याय, पुलिस बल के साथ स्थल पर पहुंचे और शव नीचे उतार कर वैधानिक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी उपाध्याय ने बताया कि सुसाइट नोट अवश्य मिला है, पर उसमें मौत की वजह नहीं की गई है। फिलहाल स्वजन व परिचित से पूछताछ की जा रही है। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वृद्ध के आत्महत्या मामले में बहु समेत तीन गिरफ्तार

कोरबा (ए)। 13 दिसंबर 2021 को सिंचाई कालोनी रामपुर में निवासरत गिरधारी सिंह राजपूत 64 साल ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर लिया था। जांच के दौरान पुलिस को मृतक के पेंट के पीछे जेब से दो पन्ने का सुसाइट नोट मिला था। इसमें मृतक ने बहु ज्योति राजपूत, उसकी मां राजकुमारी, बहन पूजा, भाई मोहन एवं जीजा लाला बहादुर द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित करने से परेशान होकर आत्महत्या करने की बात कही थी। मर्ग जांच के दौरान आरोपितों के विरूद्ध धारा 306, 34 का मामला पाए जाने पर दो जुलाई 2022 को चौकी रामपुर (अब सिविल लाइन थाना रामपुर) में मामला कायम कर विवेचना में लिया गया था।

दुर्ग में निगरानी दलों की कार्रवाईः एक दिन में 63 लाख से ज्यादा की नगदी व सामान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विधानसभा चुनाव को देखते हुए दुर्ग एसपी राम गोपाल गर्ग के निर्देशन में सम्पूर्ण जिले में सघन वाहन चेंकिग की कार्रवाई की जा रही है। इस जांच अभियान में मंगलवार का दिन जांच दलों के लिए काफी खास रहा। अलग अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ एसएसटी व एफएसटी की टीमों ने 63 लाख रुपए से ज्यादा का सामान व नगदी जब्त किया है। इसमें 7 लाख 96 हजार 500 नगदी के साथ सोना, चांदी कीमती लगभग 37 लाख 43 हजार 223 व लगभग 18 लाख की गुड़ाखू पेटी जब्त किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना पदमनाभपुर से एफएसटी टीम के द्वारा 2,20,000 एवम 1,50,000 रुपए, थाना कुम्हारी एफएसटी टीम के द्वारा 1लाख रुपए, एसएसटी टीम अंजोरा के द्वारा 1,60,000 रुपए, दुर्ग एफएसटी टीम के द्वारा 59,500 रुपए, एसएसटी टीम अम्लेश्वर के द्वारा 80,000 रुपए जब्त किए हैं। इस तरह पूरे दिन में 7,69,500 रुपए कैश जब्त किया है।

इसके अलावा संपूर्ण जिला दुर्ग में चेकिंग के दौरान सोना, चांदी भी जब्त किया गया है। थाना पुलिस दुर्ग एफएसटी टीम के द्वारा 555.670 ग्राम सोना कीमती 33,00,000 रुपए तथा थाना मोहन नगर एसएसटी टीम के द्वारा 8 द्यद्द चांदी कीमती 4 लाख 43 लाख 223 रुपए जब्त किया है।

थाना नंदिनी एसएसटी टीम के द्वारा चेकिंग के दौरान 18,00,000 रुपए की 267 गुड़ाखू पेटी जप्त कर कार्रवाई की गई है। इसके अलावा आबकारी एक्ट के तहत 1 दिन में कुल 36.72 लीटर शराब कीमती 22,380 रुपए की जब्ती कर थाना वैशालीनगर, छावनी, अंडा, नंदिनी नगर के द्वारा कार्रवाई की गई।

आचार संहिता के दौरान बिलासपुर में 2 हजार लीटर से ज्यादा की अवैध शराब जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। निर्वाचन आयोग द्वारा जिले में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव हेतु निर्देश दिए दिए गए है। शराब प्रलोभन हेतु न उपयोग हो इसके लिए अवैध शराब पर विशेष कार्यवाही करने के लिए कहा गया है। इस चुनावी वर्ष में दस माह में 5010 लोगों पर एनडीपीएस और आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर 17, 079 लीटर शराब जब्त की गई है। माह अक्टूबर में आचार संहिता दौरान अब तक 2179 लीटर अवैध शराब जब्त हुई है।

उल्लेखनीय है कि जिले में पहले से ही पुलिस अधीक्षक बिलासपुर संतोष सिंह के मार्गदर्शन में अवैध नशा के विरुद्ध अभियान निजात चलाया जा रहा है, जिसके तहत लगातार कार्रवाई हो रही हैं। पिछले वर्ष 2022 में 6322 लीटर अवैध शराब, 2021 में 5460 लीटर और पिछले विधानसभा 2018 के दौरान 7819 लीटर शराब जप्त हुई थी। शराब की संग्रहण व वितरण की मॉनिटरिंग के लिए आबकारी के गतौरी, सिरगिट्टी और कोटा क्षेत्र में स्थित; भंडारण गृह, बोटलिंग और डिस्टिलरी केंद्रों पर केंद्रीय सुरक्षा बल के रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) के जवान तैनात कर दिए गए हैं।

बीमा कंपनी में फंसे रुपये निकलवाने का झांसा देकर इंजीनियर से तीन लाख की धोखाधड़ी

बिलासपुर (ए)। सिविल लाइन क्षेत्र में रहने वाले रिटायर्ड इंजीनियर को बीमा कंपनी में फंसे रुपये दिलाने का झांसा देकर तीन लाख 46 हजार की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित इंजीनियर ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

सिविल लाइन क्षेत्र के विकास नगर में रहने वाले श्रवण कुमार चतुर्वेदी रिटायर्ड इंजीनियर हैं। उनके मोबाइल पर मार्च महीने में अनजान नंबर से काल आया। फोन करने वाले ने खुद को सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) का अधिकारी बताया। उसने इंजीनियर को बीमा कंपनी में फंसे रुपये दिलाने की बात कही। इसके लिए प्रोसेस फीस के रूप में छह हजार 350 रुपये मांगे। अजनान नंबर से आए काल पर भरोस करके इंजीनियर ने रुपये का आनलाइन ट्रांसफर कर दिया। इसके बाद जालसाजों ने अलग-अलग बहानों से रुपये मांगने शुरू कर दिए।

जालसाज के झांसे में आकर इंजीनियर ने एक लाख से अधिक रुपये दे दिए। इसके बाद काम पूरा होने की बात कहते हुए टेक्स के लिए दो लाख 45 हजार रुपये की मांग की। कंपनी में फंसे रुपये मिलने की आशा में इंजीनियर ने अपनी पत्नी के खाते से रुपये का आनलाइन ट्रांसफर किया। इसके बाद भी कंपनी में फंसे रुपये इंजीनियर को नहीं मिले। इंजीनियर ने पूरे मामले की शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लेबर ठेकेदार की हत्या, निर्माणाधीन बिल्डिंग में मिला शव

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से लगे अभनपुर के ग्राम सारखी से हत्या का मामला सामने आया है। जिसमें आरोपी ने लोहे के रॉड से सिर पर वार कर ठेकेदार को मौत के घाट उतार दिया। बताया जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने वाला शख्स ठेकेदार का ही लेबर है। आरोपी ने उसकी पत्नी के साथ ठेकेदार के बातचीत को लेकर इस हत्या को अंजाम दिया है।

जानकारी के मुताबिक एक दिन पहले ही सारखी ग्राम में ठेकेदार का शव मिला था। जिसके पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या का खुलासा हुआ है। मृतक नागेश ध्रुव 26 वर्षीय ग्राम देवदा आरंग का रहने वाला था।

मजदूर ने ठेकेदार की हत्या कर उसके शव को सारखी में एक निर्माणधीन बिल्डिंग में छोड़ दिया था। पुलिस ने इस मामले में आईपीसी की धारा 302 के तहत आरोपी डीगेश यादव के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

मरीज की जिंदगी बचाना हमारी प्राथमिकता में होनी चाहिए-हाई कोर्ट

बिलासपुर (ए)। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) की अव्यवस्था से नाराज छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के डिवीजन बेंच ने तत्काल प्रभाव से ओएसडी की नियुक्ति करने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने दोटूक कहा कि मरीज की जिंदगी बचाना हमारी प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए। काम तो बहुत रहते हैं। यह काम सबसे ज्यादा जरुरी है। राज्य शासन के विधि अधिकारी से कहा कि मुख्य सचिव से चर्चा करें और जितनी जल्दी हो मेडिकल कालेजअस्पताल की व्यवस्था को दुरुस्त करने ओएसडी की नियुक्ति का

प्रबंध करें। बुधवार को चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस एनके चंद्रवंशी के डिवीजन बेंच में जनहित याचिका की सुनवाई हुई। सिम्स की अव्यवस्था की जांच करने और रिपोर्ट पेश करने के लिए डिवीजन बेंच ने तीन अधिवक्ताओं को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया था। बुधवार को सुनवाई के दौरान डिवीजन बेंच के समक्ष कोर्ट कमिश्नर और प्रमुख सचिव स्वास्थ्य की रिपोर्ट पेश की गई। रिपोर्ट के साथ कोर्ट के समक्ष कोर्ट कमिश्नर भी खड़े हुए थे। तीनों अधिवक्ताओं ने बारी-बारी अपनी रिपोर्ट पेश की और निरीक्षण के दौरान सिम्स परिसर के अलावा महत्वपूर्ण विभागों में पसरी गंदगी और व्याप्त अव्यवस्था के संबंध में डिवीजन बेंच के समक्ष मौखिक रूप से भी जानकारी दी। राज्य शासन की ओर से पेश रिपोर्ट में मैन पावर की कमी बताई गई है। अव्यवस्था को जल्द दूर करने की बात भी कही गई है।

क्राइम ब्रांच का अफसर बताकर युवक को उठा ले गए बदमाश, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लेनेदेन के विवाद के चलते कार सवाल पांच लोगों ने पदूम नगर भिलाई तीन से एक युवक का अपहरण कर लिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तीन घंटे के भीतर अपहृत को सकुशल बरामद कर एक आरोपीको गिरफ्तार कर लिया, चार आरोपी फरार हो गए। जिनकी तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है।

भिलाई तीन पुलिस ने पीड़ित सागर गोस्वामी के हवाले से बताया कि वह पदुम नगर भिलाई तीन का रहने वाला है। रायपुर के परिचित युवक बंटी से उसने कुछ रकम उधार लिया था। व्यापार में नुकासन होने की वजह से वह रकम नहीं लौटा पा

रहा था। रकम लौटाने के लिए बंटी रोज उसे धमकी देता था। 31 अक्टूबर की रात 12.30 बजे बंटी ने उसे क्राइम ब्रांच का नाम लेकर घर से बाहर बुलाया। जैसे ही वह घर से बाहर आया, बंटी सहित कार सवार चार युवकों ने मारपीट करते हुए उसे कार के अंदर खींच लिया। चीख पुकार मचाने पर उसकी पत्नी बाहर निकली।

कार सवार सागर गोस्वामी को लेकर भाग लगे। चीख पुकार सुनकर मोहल्लेवाले भी जाग गया। वे भी कार के पीछे दौड़े, पर कार रायपुर की तरफ भाग निकली। स्थानीय लोगों ने फौरन पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सागर गोस्वामी व बंटी का मोबाइल लोकेशन ट्रेस किया। सागर का मोबाइल स्वीच ऑफ बता रहा था, पर बंटी के मोबाइल का लोकेशन तेलीबांधा रायपुर का मिल गया।

रात तकरीबन 3.30 बजे पुलिस तेलीबांधा पहुंच गई। वहां बंटी किसी से मोबाइल पर बात कर रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वहीं उसके चार साथी पुलिस को देखकर भाग निकले। पुलिस चारों की तलाश कर रही है। पुलिस ने सागर गोस्वामी को सकुशल बरामद कर लिया। सागर को हल्की चोट आई है। पुलिस मामले में बंटी से लगातार पूछताछ कर रही है।

दशगात्र से लौट रहे वृद्ध को ट्रेलर ने मारी टक्कर, मौत

कोरबा (ए)। दशगात्र कार्यक्रम से वापस घर लौट रहे वृद्ध को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। घटना में वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चैतमा पुलिस चौकी अंतर्गत हुई इस घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि ग्राम रतिजा निवासी त्रिलोक सिंह 60 वर्ष परिचित के यहां दशगात्र कार्यक्रम में गया था। वहां से अपनी बाइक में वापस लौट रहा था, तभी ग्राम रतिजा के पास एक भारी वाहन ने उसे टक्कर मार दिया और घटना के बाद भाग गया।

घटना में त्रिलोक सिंह की स्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर स्थल पर पहुंची पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई के बाद स्वजनों को घटना की सूचना दी। मामले में अज्ञात वाहन चालक के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। यहां बताना होगा कि दो दिन के भीतर दो बाइक सवार व्यक्ति की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। तेज रफ्तार में दुर्घटना को अंजाम देने के बाद चालक अपने वाहन को लेकर भाग जा रहे हैं। पुलिस केवल मामला दर्ज कर रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

त्रुटिवश अंकित संपत्ति के ब्यौर को विलोपित कर जारी किया गया शुद्धि पत्र

दुर्ग। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार 12 अक्टूबर को रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी के साथ सर्व मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी। बैठक के कार्यवाही विवरण में सभी अभ्यर्थियों को 03 बार अपने 'संपत्ति के ब्यौरे' त्रुटिवश अंकित हो गया था। इस पंक्ति में शब्द ''संपत्ति के ब्यौरे'' त्रुटि का परिमार्जन करते हुए उक्त शब्द को विलोपित किया गया है। कार्यवाही विवरण का शेष अंश यथावत रहेगा।

भिलाई निवास में निर्वाचक प्रेक्षकों से मिलने का समय निर्धारित

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत दुर्ग जिले के लिए प्रेक्षक नियुक्त किये गये है। प्रेक्षकगणों का जिले में आगमन हो गया है। भिलाई निवास में प्रेक्षकगणों का जनसामान्य से मिलने का समय निर्धारित कर दिया गया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 62 पाटन के लिए प्रेक्षक नितिन सिंह भदौरिया (आईएएस) को निर्वाचन प्रेक्षक नियुक्ति किया गया है, इनका मो. 7587016628 है। विधानसभा क्षेत्र 63 दुर्ग ग्रामीण एवं 64 दुर्ग शहर के लिए प्रेक्षक श्री आर. लालवेना (आईएएस) होंगे, इनका मो. 7587016629 है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 65 भिलाई नगर के लिए प्रेक्षक श्री दीपक कुमार मीणा (आईएएस) होंगे, इनका मो. 7587016630, विधानसभा क्षेत्र 66 वैशाली नगर के लिए प्रेक्षक डॉ. राज कृष्ण प्रुथी (आईएएस), इनका मो. 7587016631 तथा विधानसभा क्षेत्र 67 अहिवारा के लिए प्रेक्षक सुवेन्दु कानुनगो (आईएएस) को नियुक्त किया गया है, इनका मो. 7587016632 है। इन प्रेक्षकगणों से जनसामान्य प्रतिदिन भिलाई निवास मिनी हॉल रिसेप्शन के बाजू में प्रात: 10 बजे से 11 बजे तक मिल सकते हैं।

राजनीतिक दलों को दी गई आचार संहिता की जानकारी

दुर्ग। कलेक्टोरेट सभा कक्षा में आज प्रेक्षकों की उपस्थिति में राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। अपर कलेक्टर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक में विधानसभा निर्वाचन के दौरान अभ्यर्थी एवं राजनीतिक दलों को आदर्श आचार संहिता की जानकारी दी गई। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी बजरंग दुबे ने विधानसभा निर्वाचन के दौरान आदर्श आचार संहिता के पालन हेतु दिशा निर्देशों एवं आदर्श आचार संहिता के तहत संपत्ति विरूपण अधिनियम से अवगत कराया तथा सभी राजनीतिक दलों व उनके अभ्यर्थियों को नियम का कड़ाई से पालन करने कहा। साथ ही शहर व ग्राम स्तर पर रैली, जुलूस और सभा करने के लिए निर्धारित तिथि, समय व स्थान के संबंध में अनुमति लेना अनिवार्य होगा। अनुमति हेतु अनुभाग स्तर पर संबंधित एस.डी.एम. को आवेदन दिया जा सकता है। इस दौरान राजनीतिक दलों ने प्रचार प्रसार में आ रही दिक्कतों से प्रेक्षकों को अवगत कराया। आब्जर्वर ने कहा कि राजनीतिक दल व अभ्यर्थी प्रचार प्रचार के लिए उपयोग में लाए गाड़ी, झण्डे, बैनर इत्यादि के लिए पहले अनुमति प्राप्त करनी होगी।

पीएम मोदी 4 नवंबर को पहुंचेगे दुर्ग, हैलीपैड से लेकर स्टेडियम तक हाईअलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए इन दिनों प्रचार प्रसार जोरों पर है। पहले चरण के मतदात के लिए 3 नवंबर को चुनावी शोर थम जाएगा। वहीं दूसरे चरण के चुनाव के लिए 15 नवंबर तक प्रचार प्रसार किया जाएगा। इस बीच प्रदेश में भाजपा व कांग्रेस के दिग्गज नेता चुनावी सभा ले रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 नवंबर को दुर्ग के पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में चुनावी सभा लेने पहुंच रहे हैं। पीएम मोदी के दुर्ग प्रवास को लेकर को दुर्ग पुलिस अलर्ट मोड पर है। हैलीपैड से लेकर सभा स्थल तक हाई सिक्योरिटी रहेगी। इसके लिए दुर्ग पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है।

दुर्ग पुलिस द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार रविशंकर स्टेडियम में मंच पर बैठने वाले तथा माननीय प्रधानमंत्री जी का मंच के पास आगमन तथा प्रस्थान पर स्वागत करने वाले पासधारी अतिथियों के वाहनो की पार्किंग सुराना कालेज में निर्धारित किया गया है।

जयंती स्टेडियम के पास बने हेलीपेड से कार्यक्रम स्थल रविशंकर स्टेडियम तक VVIP रुट में सडक पर किसी भी प्रकार की दुकान एवं ठेले लगाना प्रतिबंधित रहेगा। कार्यक्रम में आने वाले वाहनो के लिए अलग अलग दिशाओ में पार्किंग की सुविधा दी गई है। कार्यक्रम स्थल में किसी भी प्रकार की सामग्री ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। कार्यक्रम के दौरान आवश्यक कार्य से जाने वाले वाहन चालक वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग करें। यही नहीं 4 नवंकर को दुर्ग शहर में भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। कार्यक्रम स्थल पूरी तरह से सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में रहेगा।

पार्किंग प्लान

- राजनांदगांव एवं बालोद से आने वाले वाहन पुलगांव चौक-पोटिया चौक-महाराजा चौक-सोनी फर्नीचर के सामने-मिनी स्टेडियम पद्मनाभपुर, हॉकी मैदान सिविल लाईन में पार्किंग कर पैदल कार्यक्रम स्थल।
- पाटन एवं उतई से आने वाले वाहन एमडी चौक-जेल तिराहा-पुलिस लाईन एवं गर्ल्स कॉलेज में पार्किंग कर पैदल कार्यक्रम स्थल।
- नेहरू नगर की ओर से आने वाले वाहन वाय शेप ब्रिज-सांईस कॉलेज-मालवीय नगर चौक-अजजा/अजा बालक छात्रावास-खालसा पब्लिक स्कूल में पार्किंग कर पैदल कार्यक्रम स्थल।
- धमधा की ओर से आने वाले वाहन ग्रीन चौक-रेल्वे स्टेशन-मालवीय नगर-पॉलिटेक्निक कॉलेज में पार्किंग कर पैदल कार्यक्रम स्थल।
- पटेल चौक की ओर से आने वाले वाहन उतई तिराहा-डीओ ऑफिस कन्या स्कूल, में पार्किंग कर पैदल कार्यक्रम स्थल।
- रविशंकर स्टेडियम में मंच पर बैठने वाले तथा माननीय प्रधानमंत्री जी का मंच के पास आगमन तथा प्रस्थान पर स्वागत करने वाले पासधारी व्यक्ति अपना वाहन सुराना कॉलेज में पार्किंग कर पैदल कार्यक्रम स्थल।
- स्वागत के लिये हेलीपैड जयंती स्टेडियम आने वाले व्यक्ति अपने वाहन डीपीएस चौक से पेट्रोल पम्प के पीछे से फुटबाल ग्राउंड में वाहन पार्किंग करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुर्ग आगमन पर पार्किंग प्लान

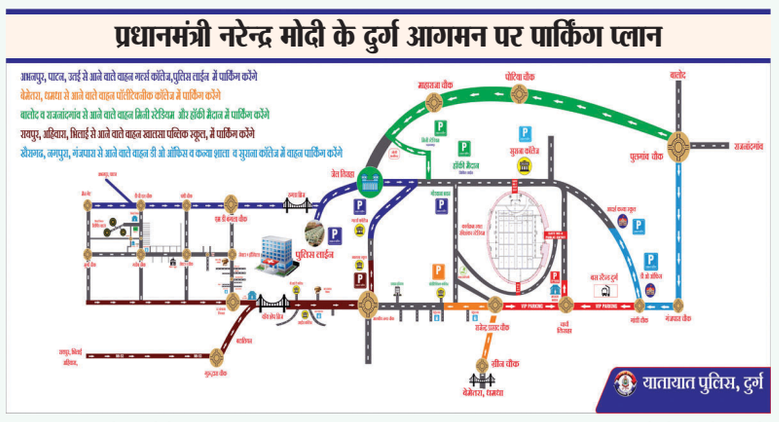

प्रतिबंधित सामग्री

- विस्फोटक सामग्री-फटाका, बारूद, बन्दूक अन्य विस्फोटक पदार्थ।
- ज्वलशील सामग्री-पेट्रोल, डीजल, मिट्टी तेल, एल्कोहल, माचिस, जेल, सिगरेट, बीडी।

खाद्यय सामग्री-पानी बोतल, गुटखा,

- तम्बाकू किसी प्रकार की खाने के वस्तुए।
- धारदार वस्तुए-चाकू, छूरी, ब्लेड, कैची, रेजर किसी भी प्रकार का खिलौने वाला सामान एवं अन्य।

वैकल्पिक मार्ग

- वाहन चालकों से अपील है कि इस दिन व्हीव्हीआईपी मार्ग में हॉस्पिटल, स्कूल, ऑफिस एवं आवश्यक कार्य से जाने वाले वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग करें।
- ग्लोब चौक से सेक्टर 9, 32 बंगला की ओर जाने वाले वाहन चालक गैरेज रोड, फारेस्ट एवन्यू मार्ग का प्रयोग करें।
- वाय सेप से पटेल चौक की ओर जाने वाले वाहन चालक मालवीय नगर चौक से जेल रोड महाराजा चौक मार्ग का प्रयोग करें।

प्रतिबंधित मार्ग

- जयंती स्टेडियम हेलीपेड से ग्लोब चौक-सेक्टर 9 चौक-32 बंगला तिराहा-वायसेप ओवर ब्रिज-मालवीय नगर चौक-रविशंकर स्टेडियम।
- दिनांक 4 नवंबर को दुर्ग शहर के अंदर भारी वाहनों का प्रवेश पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

भाजपा प्रत्याशी प्रेम प्रकाश बोले- भिलाई में फिर खिलेगा विकास का कमल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाईनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने हुडको एवं खुर्सीपार क्षेत्र में जनसंपर्क कर लोगों से भाजपा को विजयी बनाने की अपील की। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षाधानी भिलाई कांग्रेस राज में अपनी पहचान खो चुका है, इसकी खोई हुई पहचान दिलाने के लिए एक बार फिर यहां विकास का कमल खिलाना जरूरी है। जनसंपर्क के दौरान महिलाओं एवं युवाओं ने अपना समर्थन देते हुए कहा कि भिलाई में शांति और विकास के लिए भाजपा जरूरी है। जनसंपर्क के दौरान क्षेत्र की महिलाओं ने भाजपा प्रत्याशी प्रेम प्रकाश पाण्डेय का विजयतिलक लगाकर उन्हें जीत का आर्शीवाद भी दिया। श्री पाण्डेय ने कहा कि भाजपा विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। जब भी आपने हमें अपना आर्शीवाद दिया, हमने क्षेत्र के विकास के लिए पूरा प्रयास किया। हमें पूरा भरोसा है कि इस बार आप सभी के सहयोग से भिलाई में कमल खिलेगा और फिर आगे बढ़ेगा भिलाई।

सेल्फी पाइंट बना आकर्षण केन्द

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने मतदाता जागरूकता अभियान के विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जाता है। इसके तहत इस्पात नगरी भिलाई में, इस्पात भवन, संयंत्र परिसर में संयंत्र भवन, सिविक सेंटर में नेहरू आर्ट गैलरी के समक्ष सेल्फी पाइंट बनाई गई है। यह सेल्फी पाइंट लोगों के लिए आकर्षण और सेल्फी लेने का केन्द्र बन गया है।

आज 01 नवम्बर को नगर निगम आयुक्त, रोहित व्यास, एसडीएम, दुर्ग जागेश्वर कौशल, भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्यपालक निदेशक समीर स्वरुप, कार्यपालक निदेशक पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक बी के गिरी ने कला मंदिर स्थित सेल्फी पाइंट में बड़े रोचकता से सेल्फी ली। इसी तरह 31 अक्टूबर को मानव संसाधन विकास केन्द्र में रन फॉर वोट के आयोजन के दौरान संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेषक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेषक ए के चक्रवर्ती तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रमोद बिनायके, डॉ कौषलेन्द्र ठाकुर, डॉ राजीव पॉल सहित अनेक अधिकारियों ने सेल्फी का आनंद उठाया था। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए उन्हें विभिन्न माध्यमों से बार-बार जानकारी प्रदान की जा रही है कि 17 नवम्बर को सभी को अपने मतों का उपयोग करना है। मतदाताओं को समर्पित सेल्फी प्वाइंट, जो वोट की शक्ति के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया में भागीदारी के प्रति व्यक्ति की जिम्मेदारी व चुनाव प्रक्रिया में उनकी समावेशिता को प्रदर्शित करने व प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है।

वादा है फिर निभाएंगे, पहले की तरह किसानों का होगा कर्ज माफ: ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्गग्रामीण विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 63 से कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू आज ग्राम मोहलई छातागढ़ बाबा मंदिर में पुजा अर्चना कर चुनावी प्रचार की शुरूवात की गई। इसके बाद ग्राम रसमडा, सिलोदा,खपरी, अंजोरा ख, थनौद, बिरेझर बस्ती बिरेझर भाठा में कांग्रेस प्रत्याशी ताम्रध्वज साहू आशीर्वाद लेने पहुंचे जहां लोगों ने फूल माला आरती कर स्वागत किया।

साथ ही आम जनता को संबोधित करते हुऐ ताम्रध्व्ज साहू ने छातागढ़ बाबा को प्रणाम करते हुऐ कहा की निश्चित ही मैं भी अपने विधानसभा में सभी को पारिवारिक सदस्य मानते हुए में क्षेत्र की सेवा की और सभी के सुख-दुख में मैं लगातार सम्मिलित हुआ जिसका आज प्रतिफल है कि आज स्वयं लोग अपना जन समर्थन पारिवारिक सदस्य की तरह अपना बेटे की तरह आशीर्वाद मिल रहा है।

आप सभी पिछले 5 साल में आप सभी का सेवा करने का अवसर मिला जिसमें आपके ग्राम में करोड़ों की राशि से विभिन्न विकास कार्य हुआ है। साथ कांग्रेस सरकार इस बार घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा जिसमें पहले की तरह किसानों का कर्ज माफ होगा।

केजी से पीजी तक नि:शुल्क शिक्षा मिलेगी, मेडिकल और इंजीनियरिंग भी गैस सिलेंडरों पर 500 रू. प्रति सिलेंडर सब्सिडी महिलाओं के खातों में जमा होंगे, 200 यूनिट तक मिलेगी बिजली मुफ्त 17.5 लाख गरीब परिवारों को मिलेगा खुद का आवास, गरीब परिवारों को 10 रू. लाख तक, एपीएल परिवारों को 5 लाख तक इलाज की सहायता,भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना में 7,000 रू. की जगह अब 10,000 रू. सालाना

महिला स्व सहायता समूहों तथा सक्षम योजनांतर्गत लिए ऋण होंगे माफ राज्य के सभी शासकीय स्कूलों का होगा स्वामी आत्मानंद स्कूलों में अपग्रेडेशन,700 नए ग्रामीण औद्योगिक पार्कों (रीपा) की करेंगे स्थापना,सड़क एवं अन्य आकस्मिक दुर्घटनाओं पर होगा नि:शुल्क इलाज परिवहन व्यवसायियों के ?726 करोड़ का बकाया कर्ज होगा माफ जातिगत जनगणना करवाई जाएगी

इस अवसर पर अध्यक्ष केश शिल्प बोर्ड नंदकुमार सेन, उपाध्यक्ष श्रम कल्याण मंडल बोर्ड केशव बंटी हरमुख, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप चंद्रकार, अध्यक्ष जनपद पंचायत दुर्ग देवेन्द्र देशमुख,भीषम हिरवानी, मोहन हरमुख,जिला पंचायत कृषि सभापति योगिता चंद्रकार ज़िला पंचायत सभापति लक्ष्मी साहू, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष झमीत गायकवाड़, अध्यक्ष सहकरिता प्रकोष्ट रिवेन्द्र यादव, सरपंच संघ अध्यक्ष मुकुंद पारकर,प्रदेश किसान कांग्रेस उपाध्यक्ष कृष्णा देवांगन, जनपद सभापति टिकेश्वरी लाल देशमुख, जनपद सदस्य हरेद्र देव , महेंद्र सिन्हा, हेमंत देशमुख, रविन्द्र सिन्हा, भरत निषाद, तुलसी देशमुख, यशवंत, धर्मेंद्र बंजारे, रिझन ठाकुर, दिग्गविजय सिन्हा, लज कुमार, ढलेश ,साहू राजेश साहू,सरपंच गण, कांग्रेस कार्यकर्ता सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

एक किलोमीटर लंबी बाइक रैली में मतदाताओं को जागरूक करने लगे नारे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। मतदान के लिए मतदाताओं को जागृत करने नगर पालिक निगम रिसाली आयुक्त आशीष देवांगन के नेतृत्व में बाइक रैली निकाली। मतदाताओं को जागृत करने 500 बाइक सवार समेत अन्य वाहन सवार ने नारे लगाए। रैली को हरि झंडी दिखाने स्वीप दुर्ग के नोडल अधिकारी अश्वनी देवांगन व दुर्ग ग्रामीण के ए.आर.ओ. मुकेश रावटे विशेष रूप से उपस्थित थे।

17 नवंबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य लेकर नगर पालिक निगम रिसाली के कर्मचारियों ने बाइक रैली निकाली। रैली से पूर्व निर्धारित व मुख्य मार्गो में अवश्य मतदान करे का फ्लैक्स लगाया गया। आयुक्त के नेतृत्व में निकाली गई रैली में 400 से ज्यादा बाइक, जागरूकता रथ के अलावा 100 से ज्यादा मतदाता जागरूकता नारे लिखे जन स्वास्थ्य विभाग के वाहनों को शामिल किया गया था। रैली खेल एवं दशहरा मैदान से निकली और जोहार चैक से कृष्ण टॉकिज रोड, डीपीएस स्कूल गेट क्रमांक 2 से एच.एस.सी.एल. कालोनी रूआबांधा, पंथी चैक होते तालपुरी बी ब्लाक, मिट्टी परीक्षण केन्द्र होते मैत्रीकुंज, प्रगति नगर, आशीष नगर, रिसाली बस्ती, लक्ष्मी नगर, बीएसपी मार्केट रिसाली होते रिसाली सेक्टर, मरोदा सेक्टर, गार्डन चैक, बीआरपी गेट मार्ग, कल्याणी मंदिर होते वापिस दशहरा मैदान पहुंची।

बी.एस.एफ के जवान हुए शामिल

रैली में बी.एस.एफ जवान के अलावा मैत्री कॉलेज रिसाली और सेंट थॉमस कॉलेज के विद्यार्थी शामिल हुए। इस दौरान सभी मतदाताओं को जागरूक करने स्लोगन लिखे टी शर्ट, कैप पहने थे और हाथों में नारा लिखा तख्ती लिए हुए थे।

स्वीप रिसाली के तहत विधानसभा आम चुनाव में मतदाताओं को जागृत करने अलग-अलग कार्यक्रम किए जा रहे है। मंगलवार को तीन घंटा से ज्यादा समय तक बाइक से वार्ड भ्रमण किया गया। इसी क्रम में हम महिलाओं को स्वीप कार्यक्रम से जोड़ने व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया है।

आशीष देवांगन
आयुक्त, नगर पालिक निगम, रिसाली

विधायक देवेंद्र यादव की विश्वास यात्रा में भाजपा नेता ने अपने समर्थकों के साथ किया कांग्रेस प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव इन दिनों जनता के बीच विश्वास यात्रा के माध्यम से पहुंच रहे। आगामी विधानसभा में कांग्रेस के प्रत्याशी देवेन्द्र यादव लगातार लोगों से संपर्क कर रहे हैं। विश्वास यात्रा के दौरान भाजपा नेता व वार्ड के छाया पार्षद बबलू चौबे ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में प्रवेश किया। भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव के काम से प्रभावित होकर बबलू चौबे कांग्रेस प्रवेश किए। जब विधायक देवेन्द्र यादव विश्वास यात्रा कर रहे थे, तब उन्होंने विधिवत कांग्रेस प्रवेश किया और विधायक ने कांग्रेस परिवार में शामिल होने वाले लोगों को दिल से स्वागत दिया।

विधायक देवेन्द्र यादव वार्डों में विश्वास यात्रा कर रहे हैं। बुधवार को सबसे पहले वार्ड 43 दुर्गा मंदिर वार्ड में विश्वास यात्रा निकाली गई। इसके बाद सेक्टर 7, सेक्टर 10 में भी विश्वास यात्रा निकाली गई है। सभी जगह पर विधायक देवेंद्र यादव का लोगों में बहुत ज्यादा क्रेज है। अपने घर और गली में विधायक को देखकर लोग घरों से निकल कर उनका स्वागत करने के साथ ही उनके साथ सेल्फी ले रहे है। हर परिवार विधायक श्री यादव के साथ परिवार सहित फोटो खींचवा रहा है। विधायक यादव लगातार लोगों से मिल रहे है। लोगों के घरों में जाकर लोगों का कुशल क्षेम पूछ रहे है। इसमें विधायक श्री यादव को हर वार्ड में बड़े, बुजुर्ग,माताओं और बहनों का भी भरपूर आशीर्वाद और स?मर्थन मिल रहा है। जहां भी जिस भी गली में मोहल्ले में वे जा रहे हैं। वहां हजारों की संख्या में लोग खुद से अपने घरों से निकल कर ?समर्थन दे रहे हैं। गली-गली में विधायक श्री यादव का ?लोग ढोल बाजे, फूल मालाओं से स्वागत कर रहे हैं। पटाखे फोड़ रहे हैं और ?कई जगह पर पुष्प वर्षा भी कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950